घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 139- रविवार 22- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

मथुरा में गोरक्षक साधु की मौत पर हंगामा

पुलिस की गाड़ियां तोड़ीं,आरोप-गोतस्करों ने ट्रक से कुचला,पुलिस बोली...हादसा

मथुरा,21 मार्च 2026। मथुरा में गोरक्षक चंद्रशेखर बाबा (45) की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। वह फरसा वाले बाबा के नाम से मशहूर थे। घटना के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए लोगों ने बाबा का शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। बाबा के एक साथी ने दावा किया- शनिवार तड़के बाबा 2 साथियों के साथ ट्रक का पीछा कर रहे थे। ट्रक में गोवंश होने की सूचना थी। ट्रक को ओवरटेक कर बाबा ने सामने बाइक खड़ी कर दी। तभी अचानक ड्राइवर ने रफ्तार बढ़ा दी और बाबा को कुचलते हुए फरार हो गया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, पुलिस का कहना है कि शक के आधार पर बाबा एक ट्रक को रोककर चेकिंग कर रहे थे। सुबह कोहरा होने की वजह से पीछे से आ रहे ट्रक ने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। बाबा इसकी चपेट में आ गए। ट्रक चालक भी घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डीआईजी शैलेश पांडे ने साफ किया कि ट्रकों में कोई गोवंश नहीं था। दरअसल, बाबा की मौत कोसीकलां के कोटवन थाना क्षेत्र में हुई। घटना की जानकारी इलाके में आग की तरह फैली। देखते-ही-देखते हजारों की भीड़ छाता थाना क्षेत्र में दिल्ली-मथुरा हाईवे पर जमा हो गई। उन्होंने बाबा का शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। आरोपियों के एनकाउंटर की मांग करने लगे। शव कब्जे में लेने और जाम खुलवाने पहुंची पुलिस को लोगों ने खदेड़ दिया। पथराव भी किया, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी लहूलुहान हो गए। लोगों ने पुलिस की 5 से 6 गाडियों में तोड़फोड़ की। शीशे तोड़ दिए। इस दौरान फायरिंग भी हुई। हालात बेकाबू होता देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। आंसू गैस के गोले छोड़े। इस बीच, लोग बाबा का शव लेकर आजनौंख गांव में स्थित गोशाला पहुंचे। प्रशासन के सामने बाबा का स्मारक बनाने समेत 6 मांगें रखीं। आश्वासन के बाद बाबा का अंतिम संस्कार किया। सीएम योगी ने भी मामले का संज्ञान लिया। अफसरों को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा- आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा।

पहली थ्यारी बाबा के साथियों और शिष्यों ने बताई। उनके मुताबिक, बरसाना के आजनौंख गांव में गोशाला चलाने वाले फरसा वाले बाबा को सूचना मिली कि कोसी में नेशनल हाईवे पर एक ट्रक में गोवंश को भरकर ले जाए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही बाबा दो शिष्यों के साथ बाइक से निकल गए। जब कोसी में नेशनल हाईवे पर बठन गेट इलाके में पहुंचे तो वहां गोवंश ले जाता ट्रक दिखाई दिया। बाबा ने जब ट्रक को रुकवाने का प्रयास किया तो गोतस्करों ने ट्रक की रफ्तार बढ़ा दी। करीब 7 किलोमीटर पीछा कर बाबा कोटवन चौकी क्षेत्र स्थित नवीपुर गांव पर पहुंचे। ट्रक को ओवरटेक कर बाइक से उतरे और ट्रक के सामने खड़े हो गए। इस दौरान ट्रक ने रफ्तार बढ़ा दी। बाबा ने दोनों साथियों को धक्का देकर किनारे कर दिया। खुद ट्रक के नीचे आ गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। साथी शव लेकर आजनौंख पहुंचे। यहां पंचायत हुई और हाईवे जाम करने का फैसला लिया गया।

पुलिस बोली- सड़क हादसे में जान गई,अफवाह से माहौल बिगड़ा

मामले में बवाल के करीब 2 घंटे बाद पुलिस और प्रशासन की ओर से बयान जारी किया गया। बताया गया कि सुबह 4 बजे हरियाणा सीमा थाना क्षेत्र कोसी पर वाहन में गोवंश होने की सूचना मिली थी। फरसा वाले बाबा अपने शिष्यों के साथ नगालैंड नंबर के कंटेनर को रोककर चेकिंग कर रहे थे। कंटेनर में साबुन, फिनाइल, शैम्पू आदि भरा हुआ था। घने कोहरे के कारण पीछे से राजस्थान नंबर के तेल से भरे ट्रक ने कंटेनर को पीछे से टक्कर मार दी। इसकी चपेट में आने से बाबा की मौके पर मौत हो गई। ट्रक चालक भी घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। लोगों की तरफ से भ्रामक सूचना के कारण जाम और पथराव की घटना हुई। लोगों को समझाया गया। घटना के संबंध में हर पहलू की जांच की जाएगी। लोगों की बात सुनकर उनके आरोपों की भी जांच करेंगे।

दिल्ली में ईद-उल-फितर का पर्व पूरी अकीदत के साथ मनाया गया

नई दिल्ली,21 मार्च 2026। दिल्ली में ईद उल फितर का पर्व पूरी अकीदत और ऐहतराम के साथ मनाया जा रहा है। आज सुबह मुसलमानों के जरिए नमाज-ए-दोगाना अदा कर विश्व में शांति और देश की तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं। ऐतिहासिक शाहजहानी जामा मस्जिद में इमाम सैयद अहमद बुखारी ने ईद की नमाज अदा कराई। इस अवसर पर मस्जिद में बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद इमाम अहमद बुखारी ने विशेष दुआएं कीं। मस्जिद प्रांगण, सीढ़ियों और सड़क पर भी लोगों को नमाज पढ़ते हुए देखा गया। पुरानी दिल्ली की एक और शाही मस्जिद फतेहपुरी में इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने ईद की नमाज अदा कराई। उन्होंने विश्व में व्याप्त अशांति के माहौल का जिक्र करते हुए शांति स्थापित करने की मांग की। उन्होंने विश्व में शांति, देश में खुशहाली और तरक्की के लिए विशेष दुआ की। यहां पर भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अदा की। रानी झांसी रोड स्थित शाही ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज का आयोजन किया गया। यहां पर भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा की। एंग्लो अरेबिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की मस्जिद में भी ईद की नमाज अदा की गई, जहां पर नमाजियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किया गया था। इसके साथ ही दिल्ली के सभी मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों के मोहल्लों की मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई है। दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया की मस्जिद और जामिया मिल्लिया इस्लामिया की मस्जिद में भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा की। पुरानी दिल्ली के अलावा यमुना पार के लक्ष्मी नगर, शकरपुर, झील,खुरेजी,ताज एनक्लेव,शास्त्री पार्क,सीलमपुर, वेलकम,शाहदरा,नंदनगरी,सीमापुरी,मौजपुर, मुस्तफाबाद,करावल नगर,त्रिलोकपुरी,कल्याण पुरी, मयूर विहार,वसुंधरा,सराय काले खां,जामिया नगर, बटला हाउस,अबुल फजल एनक्लेव,बदरपुर, तुगलकाबाद,संगम विहार,हमदर्द नगर,मदनगीर, खानपुर, हौज रानी,महरौली,साकेत वसंत कुंज, वसंत विहार के साथ-साथ बाहरी दिल्ली के क्षेत्र में स्थित मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की है। इस मौके पर मस्जिदों के बाहर गुब्बारे और खिलौने आदि बेचने वालों की कतार देखने को मिली जहां बच्चों को खुशी-खुशी खरीदारी करते हुए भी देखा गया।

मोदी सबसे बड़े घुसपैठिए : ममता

बंगाल में अघोषित राष्ट्रपति शासन लगाया,केरल सीएम ने राहुल और कांग्रेस को बीजेपी की बी टीम बताया

नई दिल्ली,21 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठिया बताया। उन्होंने कहा...जब आप विदेश जाते हैं तो नेताओं से हाथ मिलाते हैं और दोस्ती की बात करते हैं। लेकिन जब आप भारत लौटते हैं तो अचानक हिंदू-मुस्लिम नैरेटिव शुरू हो जाता है और लोगों को घुसपैठिया कहा जाता है। कोलकाता की रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद नमाजियों को संबोधित करते हुए टीएमसी सुप्रीमो ने कहा, 'फिर आप नाम हटाने और लोगों को घुसपैठिया बताने की बात करते हैं। मैं कहूंगी,आप बड़े घुसपैठिए हैं। उन्होंने कहा, आपने हमारी सरकार पर कब्जा कर लिया है और अनऑफिशियल प्रेसिडेंट रूल लगा दिया है। लेकिन हम डरेंगे नहीं। जो लोग बंगाल को निशाना बना रहे हैं और लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें जहन्नुम में जाना चाहिए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे बीजेपी की 'B-टीम' की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को बात समझने में दिक्कत होती है। राहुल ने कहा था कि देश के बाकी विपक्षी नेताओं को केंद्रीय एजेंसियां बुला रही हैं या गिरफ्तार कर रही हैं, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री के साथ ऐसा नहीं हो रहा।

भाजपा ने 3 राज्यों में उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की : भाजपा ने शनिवार को पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए 9 उम्मीदवारों,केरल में 11 उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट और असम में दो उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है।

चुनाव आयोग ने बंगाल में एसआईआर मामलों के 19 ट्रिब्यूनल बनाए : चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट से जुड़ी शिकायतों को सुनने के लिए 19 ट्रिब्यूनल बनाए हैं। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के 10 मार्च के आदेश और कलकत्ता हाईकोर्ट की सलाह के बाद लिया गया।

संजय राउत ने चुनाव आयोग पर बंगाल में भेदभाव का आरोप लगाया : शिवसेना सांसद संजय राउत ने देश में चुनावों की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों में छेड़छाड़, दबाव और हेरफेर हो रहा है। उन्होंने नरेंद्र मोदी के भारत की लोकतंत्र को लेकर किए गए दावों को चुनौती दी और संयुक्त राष्ट्र से चुनावों की निगरानी के लिए ऑब्जर्वर भेजने की मांग की। राउत ने कहा कि पंचायत से लेकर लोकसभा तक,हाल के वर्षों में कोई भी चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से नहीं हुआ है। राउत ने चुनाव आयोग पर भी पश्चिम बंगाल में भेदभाव का आरोप लगाया।

उत्तराखंड के सीएम साधारण नहीं धुरंधर,धामी ने रक्षा मंत्री को बताया अजातशत्रु

पहाड़ का पानी-जवानी यहीं के काम आनी चाहिए : राजनाथ

हल्द्वानी,21 मार्च 2026। हल्द्वानी में धामी सरकार के 4 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने नहीं सोचा था कि उत्तराखंड इतनी तेजी से विकसित होगा। उन्होंने कहा कि पहाड़ का पानी और जवानी अब यहीं के काम आनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तारीफ करते हुए कहा कि वह साधारण नहीं, बल्कि धुरंधर हैं। उन्होंने कहा कि धामी के नेतृत्व में प्रदेश ने विकास की नई रफ्तार पकड़ी है और लगातार आगे बढ़ रहा है। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में रक्षा मंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें अजातशत्रु बताया। उन्होंने कहा कि उनका अनुभव और मार्गदर्शन प्रदेश के लिए हमेशा महत्वपूर्ण रहा है और उनकी मौजूदगी से कार्यक्रम में नई ऊर्जा आई है। कार्यक्रम में राजनाथ सिंह को सुनने के लिए करीब 15 हजार से ज्यादा लोग पहुंचे थे,जिन्हें संबोधित करने के बाद रक्षा मंत्री अब पंतनगर एयरपोर्ट की ओर रवाना हो गए और फिर यहीं से वह दिल्ली के लिए निकल गए।

आत्मनिर्भर रक्षा, दुनिया में बढ़ा मान

रक्षा मंत्री ने कहा कि आज भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है और जो हथियार पहले विदेशों से मंगाए जाते थे,अब वे देश में ही तैयार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रतिष्ठा विश्व स्तर पर बढ़ी है और आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बात को गंभीरता से सुना जाता है। उन्होंने सेना, वैज्ञानिकों और देशवासियों पर गर्व जताते हुए कहा कि सभी के सहयोग से एक मजबूत और सशक्त भारत का निर्माण हो रहा है और अपने संबोधन का समापन 'जय हिंद' के साथ किया।

सर्जिकल स्ट्राइक-एयर स्ट्राइक से बदला भारत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरा देश जानता है कि जब-जब देश की सीमाओं पर किसी ने नजर उठाई है,हमारे सेना के जवानों ने उसे मुँहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के जरिए दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि भारत अब बदल चुका है। यह नया भारत है,जो अपनी सीमाओं की रक्षा करना भी जानता है और जरूरत पड़ने पर दुश्मन को उसके घर में घुसकर जवाब देने की क्षमता भी रखता है।

पूरा देश जनता है उत्तराखंड देवभूमि और तपोभूमि

रक्षा मंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विस्तार, पर्यटन को नई दिशा देने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे हर क्षेत्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रभावशाली काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और राज्य सरकार के प्रयासों से उत्तराखंड आज अध्यात्म और आधुनिकता का सुंदर संगम बन गया है और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

9 वर्षों में तेज विकास, सीमित संसाधनों के बावजूद प्रगति : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तराखंड में अब दूसरा कार्यकाल चल रहा है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के भी नौ वर्ष पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में जिस तेजी से प्रदेश ने विकास किया है, वह असाधारण है। उन्होंने अपने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि वह स्वयं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, इसलिए वह विकास की गति को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कहा कि किसी ने कल्पना नहीं की थी कि सीमित संसाधनों और धन की कमी के बावजूद एक छोटा सा राज्य इतनी तेजी से आगे बढ़ेगा, लेकिन आज उत्तराखंड ने यह कर दिखाया है।

युद्ध नहीं,संवाद और कूटनीति ही समाधान : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा अपना पक्ष स्पष्ट रखा है और आज भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यही कहते हैं कि दुनिया की सबसे गंभीर समस्याओं का समाधान युद्ध से नहीं निकल सकता। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष और युद्ध की स्थिति बनी हुई है,लेकिन इसका स्थायी समाधान केवल संवाद और कूटनीति के जरिए ही संभव है।

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बातचीत बुनियादी ढांचे पर हमले की निंदा की

नई दिल्ली,21 मार्च 2026। पश्चिम एशिया में पिछले 22 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से शनिवार को टेलीफोन कर बातचीत की और ईद एवं नवरोज़ की बधाई दी। मोदी ने आशा व्यक्त की कि यह त्योहारों का मौसम पश्चिम एशिया में शांति,स्थिरता और समृद्धि लेकर आएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हालिया हमलों पर चिंता जताई और उनकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित करते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा डालते हैं। प्रधानमंत्री ने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। इसके अतिरिक्त मोदी ने ईरान द्वारा देश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने में दिए जा रहे निरंतर सहयोग को लेकर सराहना की। उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह टेलीफोन पर दूसरी बातचीत है,जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे पहले उन्होंने 12 मार्च को टेलीफोन पर बातचीत की थी।

कांग्रेस पार्टी का डीएनए दलित विरोधी : भाजपा

नई दिल्ली,21 मार्च 2026। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए दिल्ली के उत्तम नगर में दलित युवक की हत्या पर राहुल गांधी के मौन को लेकर उनकी और कांग्रेस की जमकर आलोचना की। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस संवेदनशीलता का ढोंग करती है और इन्हें जब भी तुष्टिकरण और सामाजिक न्याय के बीच चुनाव करना पड़ा तो इन्होंने केवल तुष्टिकरण चुना। पासवान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का डीएनए दलित विरोधी है और दलित समाज को कांग्रेस के साथ घुटन महसूस होती है। गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि दिल्ली के उत्तम नगर में जो दुर्घटना हुई है,उस पूरे विषय का राहुल गांधी द्वारा राजनीतीकरण किया जा रहा है।

मथुरा...राष्ट्रपति मुर्मू ने गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की

गोल्फ कार्ट से डेढ़ घंटे में 21 किलोमीटर पूरे किए,परिवार के साथ गिरिराजजी की पूजा की

मथुरा,21 मार्च 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को परिवार के साथ गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की। राष्ट्रपति मथुरा प्रवास के आखिरी दिन सुबह करीब साढ़े 8 बजे वृंदावन के रेडिसन होटल से दानघाटी मंदिर पहुंचीं। गिरिराज जी के दर्शन किए। दूध से अभिषेक किया। प्रसाद चढ़ाया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी थीं। पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रपति ने 21 किलोमीटर की गोवर्धन परिक्रमा शुरू की। थोड़ी दूर पैदल चलीं। फिर परिवार संग गोल्फ कार्ट में सवार होकर डेढ़ घंटे में परिक्रमा पूरी की। रास्ते में राष्ट्रपति हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार करती रहीं। इसके बाद भारतीय वायुसेना हेलिकॉप्टर से दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। यहां मथुरा सांसद हेमामालिनी भी पहुंचीं। दरअसल, राष्ट्रपति मुर्मू, यूपी के 3 दिन के दौरे पर थीं। गुरुवार को उन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए थे। शुक्रवार को वृंदावन में संत प्रेमानंद जी से मुलाकात की थी। प्रेमानंदजी ने राधे-राधे कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया था।

गोवर्धन जाने वाली पहली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू स्वतंत्र भारत की पहली राष्ट्रपति हैं, जो गोवर्धन पहुंची हैं। गिरिराज जी की नगरी गोवर्धन में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर खास तैयारी रही।

पूरे गोवर्धन को दुल्हन की तरह सजाया गया। तिराहा चौराहा पर रंग बिरंगी लाइटों से सजावट की गई। दानघाटी मंदिर में गिरिराज जी का रंग बिरंगे फूली से श्रृंगार किया गया।'

मध्य प्रदेश में जल्द शुरू होगा एआई मिशन : सीएम मोहन यादव

भोपाल,21 मार्च 2026। मध्य प्रदेश में सेवाओं के संचालन और आर्थिक अवसरों के विस्तार के मकसद से स्टेट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि जल्दी ही यह मिशन शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में शीघ्र ही मध्य प्रदेश स्टेट एआई मिशन प्रारंभ किया जाएगा। यह कोशिश प्रदेश में सुशासन एवं विकास को नई गति देने और शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने में मददगार होगी। यह मिशन सेवाओं के संचालन और आर्थिक अवसरों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मिशन राज्य के एआई विजन एंड एक्शन फ्रेमवर्क पर आधारित होगा, जिसके माध्यम से व्यवस्था को प्रेडिक्टिव, प्रोएक्टिव एवं डेटा-ड्रिवन बनाया जाएगा।

पुलिसकर्मियों का आरोपियों के फोटो-वीडियो अपलोड करना चिंताजनक,यह निष्पक्ष सुनवाई के लिए खतरा

इससे आरोपी की इमेज खराब होती है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,21 मार्च 2026। सुप्रीम कोर्ट ने मोबाइल से शूट वीडियो-फोटो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के ट्रेंड पर कड़ी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होती है और आरोपियों के खिलाफ पहले ही माहौल बन जाता है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने शुक्रवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इसमें कहा गया है कि पुलिस आरोपियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा कर रही है। याचिका हेमेंद्र पटेल ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस आरोपियों की हथकड़ी लगी, रस्सियों से बंधी या अपमानजनक स्थिति वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल रही है। इससे व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचती है और जनता में पूर्वाग्रह बनता है।

राहुल बोले...तेल की कीमतें बढ़ना महंगाई का संकेत

कहा...सरकार भले ही इसे नॉर्मल बताए,लेकिन रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे

नई दिल्ली,21 मार्च 2026। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने डॉलर के मुकाबले रुपए के गिरने और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमत बढ़ने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'रुपए का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी,ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं।' उन्होंने लिखा कि सरकार चाहे इसे नॉर्मल बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, MSMEs को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे।

राहुल बोले-शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा : राहुल ने लिखा कि विदेशी संस्थागत निवेशक का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। यानी हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। उन्होंने लिखा है कि सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है, सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है। सरकारी तेल कंपनियों ने स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल की कीमतें 2.09-2.35 प्रति लीटर तक बढ़ाईं।

एमपी के भोपाल में इसकी कीमत बढ़कर करीब 117 पहुंची है। हालांकि सामान्य पेट्रोल की कीमत में बदलाव नहीं किया गया।

संपादकीय

सीवर में मौतें

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है। निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह,लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं। विडंबना यह भी है कि जहां करीब 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला। निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है,बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है। जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है। निस्संदेह,यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है। वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम,2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं। सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? यह दुखद ही है कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक प्रमुख अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाई कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई।

सीवर-सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीन के उपयोग को बढ़ावा देकर मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के उद्देश्य से ही सरकार द्वारा साल 2023-24 में शुरू की गई राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकीय तंत्र यानी नमस्ते परियोजना को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने पिछले दिनों स्वीकार किया था कि मशीनीकरण के कारण दक्षता या सफाई व्यवस्था में सुधार के जरूरी संकेतक अभी तक पहचान में नहीं आए हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को पिछले वर्ष वेतन का भुगतान न होने,सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं। हालांकि सरकारी दावा है कि सफाई का काम व्यवसाय पर आधारित है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सदियों से हाशिये पर पड़े समुदायों के श्रमिकों के बूते ही सफाई व्यवस्था चलायी जा रही है। निःसंदेह,दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का दावा करने वाले समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी नागरिक को अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिये बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। श्रम की गरिमा के सवाल का जबाव महज एक नारे से हासिल नहीं किया जा सकता। इसे एक जमीनी हकीकत बनाना होगा।

गानों के बहाने गिरता स्तर या समाज का आईना?

सोशल मीडिया पर कोई भी व्यक्ति किसी गीत को वायरल कर सकता है। ऐसे में जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। यदि हम सच में बेहतर और सार्थक संगीत चाहते हैं,तो हमें अपनी पसंद और प्राथमिकताओं में बदलाव लाना होगा। केवल आलोचना करने से स्थिति नहीं बदलेगी,बल्कि सकारात्मक विकल्पों को समर्थन देना भी आवश्यक है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इस प्रकार के गानों का प्रभाव बच्चों और युवाओं पर पड़ता है। वे बिना किसी समझ के इन गीतों को गुनगुनाते हैं,उनके शब्दों को दोहराते हैं और अनजाने में ही उन भावों को आत्मसात करने लगते हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ
(सिवानी) भिवानी,हरियाणा

आज के दौर में संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है,बल्कि वह समाज की सोच,दिशा और संस्कारों को प्रभावित करने वाली एक सशक्त शक्ति बन चुका है। मोबाइल फोन,इंटरनेट और सोशल मीडिया ने संगीत की पहुँच को इतना व्यापक बना दिया है कि कोई भी गीत कुछ ही घंटों में करोड़ों लोगों तक पहुँच सकता है। ऐसे में गानों के बोल,उनकी प्रस्तुति और उनके पीछे छिपे संदेश का प्रभाव भी पहले की तुलना में कहीं अधिक गहरा और व्यापक हो गया है। लेकिन हाल के समय में कुछ गानों की भाषा,उनके संकेत और उनकी दृश्यात्मकता जिस दिशा में बढ़ रही है,वह एक गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। शब्दों के चयन में बढ़ती अशालीनता,दोहरे अर्थों वाले वाक्य और भड़काऊ प्रस्तुतियाँ–ये सब मिलकर यह प्रश्न खड़ा करते हैं कि क्या हम मनोरंजन के नाम पर अपनी सांस्कृतिक मर्यादाओं को धीरे-धीरे समाप्त कर रहे हैं? या फिर यह केवल समय के साथ बदलती अभिव्यक्ति की शैली है,जिसे हमें स्वीकार करना चाहिए? अक्सर ऐसे मुद्दों पर सबसे पहले उंगली सेंसर व्यवस्था पर उठती है, विशेष रूप से सीबीएफसी पर। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि सेंसर बोर्ड की भूमिका सीमित और परिभाषित है। वह मुख्यतः फिल्मों को प्रमाणित करने का कार्य करता है। आज के डिजिटल युग में अधिकांश गाने सीधे यूट्यूब, ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शकों तक पहुँचते हैं,जहाँ पारंपरिक सेंसरशिप की पकड़ लगभग समाप्त हो चुकी है। ऐसे में सेंसर बोर्ड को हर समस्या का जिम्मेदार ठहराना न तो न्यायसंगत है और न ही व्यावहारिक। यह भी ध्यान देने योग्य है कि डबल मीनिंग या इशारों में बात कहने की परंपरा भारतीय सिनेमा में नई नहीं है। पुराने दौर के गीतों में भी रूपकों और प्रतीकों का प्रयोग होता था,लेकिन उनमें एक सादगी, एक सौंदर्य और एक मर्यादा होती थी। वे भावों को व्यक्त करते थे,उत्तेजना को नहीं उभारते थे। आज स्थिति यह है कि संकेत इतने स्पष्ट और प्रत्यक्ष हो गए हैं कि वे कल्पना की गुंजाइश कम और भौंडेपन की संभावना अधिक पैदा करते हैं। यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिकता का भी द्योतक है।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि इस बदलाव के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या केवल फिल्म निर्माता,गीतकार और कलाकार ही इसके लिए दोषी हैं? या फिर दर्शक भी इस प्रक्रिया में बराबर के भागीदार हैं? सच तो यह है कि बाजार उसी दिशा में चलता है, जहाँ मांग होती है। जब कोई गीत अपने विवादित या उत्तेजक बोलों के बावजूद करोड़ों बार देखा और सुना जाता है, तो यह केवल निर्माता की रणनीति नहीं, बल्कि दर्शकों की पसंद का भी परिणाम होता है। हम जिस प्रकार के कंटेंट को देखते,सुनते और साझा करते हैं, वही धीरे-धीरे मुख्यधारा बन जाता है। आज का दर्शक केवल उपभोक्ता नहीं,बल्कि कंटेंट का निर्माता और प्रचारक भी है। बचपन और किशोरावस्था वह अवस्था होती है, जहाँ व्यक्ति का मानसिक और नैतिक विकास हो रहा होता है। ऐसे में यदि उनके सामने बार-बार भड़काऊ और भ्रमित करने वाली सामग्री प्रस्तुत की जाती है,तो उसका प्रभाव दीर्घकालिक हो सकता है। यहाँ यौन शिक्षा के प्रश्न को भी समझना आवश्यक है। यौन शिक्षा एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है,जिसे वैज्ञानिक, सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से समझाया जाना चाहिए। लेकिन जब यही विषय गानों के माध्यम से भ्रामक, अशालीन और मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत होता है,तो वह शिक्षा नहीं,बल्कि विकृति और भ्रम पैदा करता है। इससे न केवल विषय की गंभीरता कम होती है,बल्कि समाज में गलत धारणाएँ भी पनपती हैं। समाधान की बात करें तो यह स्पष्ट है कि केवल प्रतिबंध या सेंसरशिप इस समस्या का स्थायी हल नहीं है। इतिहास गवाह है कि अत्यधिक नियंत्रण अक्सर रचनात्मकता को सीमित करता है और वैकल्पिक रास्तों को जन्म देता है। आवश्यकता है संतुलन की–ऐसा संतुलन जहाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी बनी रहे और सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाई जाए। इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका जागरूकता की है। दर्शकों को यह समझना होगा कि वे क्या देख रहे हैं और उसका क्या प्रभाव हो सकता है। अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ संवाद स्थापित करना होगा,उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाना होगा। शिक्षण संस्थानों को भी इस विषय पर खुलकर और जिम्मेदारी के साथ चर्चा करनी चाहिए। साथ ही,कलाकारों और निर्माताओं को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझना होगा। कला केवल कमाई का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का साधन भी है। यदि वे चाहें तो मनोरंजन के साथ-साथ सकारात्मक संदेश भी दे सकते हैं। कई ऐसे उदाहरण हैं,जहाँ गीतों और फिल्मों ने समाज में सकारात्मक

बदलाव लाने का कार्य किया है। आवश्यकता है उस दिशा में प्रयास करने की। मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की भूमिका भी यहाँ महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल लोकप्रियता और मुनाफे के आधार पर कंटेंट को बढ़ावा देने के बजाय उसकी गुणवत्ता और सामाजिक प्रभाव पर भी ध्यान देना चाहिए। यदि वे चाहें तो बेहतर और सार्थक सामग्री को प्रोत्साहित कर सकते हैं। अंततः,सिनेमा और संगीत समाज का आईना होते हैं। वे वही दिखाते हैं, जो समाज में कहीं न कहीं मौजूद होता है। यदि इस आईने में हमें विकृति दिखाई दे रही है, तो इसका अर्थ यह भी है कि हमें अपने भीतर झाँकने की आवश्यकता है। केवल आईने को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। इसलिए यह समय केवल आलोचना करने का नहीं,बल्कि आत्ममंथन का है। हमें यह तय करना होगा कि हम किस प्रकार के समाज की कल्पना करते हैं और उस दिशा में अपने छोटे-छोटे निर्णयों के माध्यम से योगदान देना होगा। क्योंकि अंततः,समाज वही बनता है,जैसा उसका सामूहिक व्यवहार और सोच होती है। यदि हम सच में एक संवेदनशील, जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समाज चाहते हैं,तो हमें अपने मनोरंजन के साधनों और उनकी दिशा पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। वरना वह दिन दूर नहीं, जब मनोरंजन के नाम पर परोसी जा रही सामग्री हमारे ही मूल्यों को चुनौती देने लगेगी।

बच्चों के अधिकारों से संबंधित कानूनी मुद्दे

डॉ विजय गर्ग

बच्चे समाज के सबसे कमजोर सदस्य हैं और उनकी सुरक्षा,विकास और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें विशेष संरक्षण की आवश्यकता होती है। दुनिया भर में बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए विभिन्न कानून और अंतर्राष्ट्रीय समझौते बनाए गए हैं। सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक रूपरेखाओं में से एक है बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन,जो यह मान्यता देता है कि प्रत्येक बच्चे को जीवित रहने, सुरक्षा, विकास और भागीदारी का अधिकार है। ऐसे कानूनी ढांचे के बावजूद,भारत सहित कई देशों में बच्चों के अधिकारों से संबंधित कई कानूनी मुद्दे मौजूद हैं।

प्रमुख कानूनी चिंताओं में से एक बाल श्रम है। यद्यपि कानून खतरनाक उद्योगों में बच्चों को रोजगार देने से रोकते हैं,फिर भी कई बच्चे कारखानों,खेतों, घरेलू कार्यों और छोटे व्यवसायों में काम करते हैं। गरीबी,शिक्षा की कमी और कानूनों का कमजोर प्रवर्तन इस समस्या में योगदान देता है। भारत में बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम का उद्देश्य बच्चों के शोषण को रोकना है,फिर भी ग्रामीण और अनौपचारिक क्षेत्रों में इसका कार्यान्वयन एक चुनौती बनी हुई है। एक अन्य गंभीर मुद्दा बाल दुर्व्यवहार और शोषण है। बच्चे घर,स्कूल या कार्यस्थल पर शारीरिक,भावनात्मक या यौन दुर्व्यवहार का शिकार हो सकते हैं। इससे निपटने के लिए, भारत ने यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा अधिनियम लागू किया,जिसे आमतौर पर POCSO के नाम से जाना जाता है। यह कानून बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए सख्त सजा प्रदान करता है और त्वरित परीक्षण के लिए विशेष अदालतें स्थापित करता है। हालांकि,सामाजिक कलंक, जागरूकता की कमी और कानूनी प्रक्रियाओं में देरी अक्सर पीड़ितों को समय पर न्याय प्राप्त करने से रोकती है। बाल विवाह एक और गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। कानूनी प्रतिबंधों के बावजूद, परंपरा,गरीबी और लैंगिक भेदभाव के कारण कुछ समुदायों में शीघ्र विवाह जारी है। बाल विवाह निषेध अधिनियम में लड़कियों के लिए कानूनी विवाह की आयु 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है तथा बाल विवाह में शामिल लोगों को दंडित किया गया है। फिर भी दूरदराज के क्षेत्रों में प्रवर्तन कठिन है,जहां सामाजिक रीति-रिवाज कभी-कभी कानूनी मानदंडों को ओवरराइड कर देते हैं। शिक्षा का अधिकार बच्चों के अधिकारों का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। शिक्षा बच्चों को सशक्त बनाती है और उन्हें शोषण और गरीबी से बचाती है। भारत में,निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा पर बच्चों का अधिकार अधिनियम 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी देता है। फिर भी,कई बच्चे आर्थिक कठिनाइयों, पारिवारिक जिम्मेदारियों या गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच की कमी के कारण स्कूल छोड़ देते हैं।

कानून के विरुद्ध संघर्ष करने वाले बच्चों को भी कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। किशोर न्याय प्रणाली का उद्देश्य युवा अपराधियों को दंडित करने के बजाय सुधार करना है। किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम उन बच्चों की देखभाल,सुरक्षा और पुनर्वास का प्रावधान करता है जो जरूरतमंद हैं या कानून के साथ संघर्ष कर रहे हैं। हालाँकि,भीड़भाड़ वाली संस्थाएं, अपर्याप्त पुनर्वास कार्यक्रम और प्रशिक्षित पेशेवरों की कमी अक्सर इसकी प्रभावशीलता में बाधा डालती है।

निष्कर्षतः बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना न केवल कानूनी जिम्मेदारी है बल्कि समाज का नैतिक दायित्व भी है। मजबूत कानून मौजूद हैं, लेकिन उनकी सफलता उचित प्रवर्तन,सार्वजनिक जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी पर निर्भर करती है। सरकारों,परिवारों,स्कूलों और नागरिक समाज को यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करना चाहिए कि प्रत्येक बच्चा शिक्षा,स्वास्थ्य और अवसरों तक पहुंच वाले सुरक्षित वातावरण में पले-बढ़े। तभी एक न्यायसंगत और बाल-अनुकूल समाज का दृष्टिकोण सही मायने में साकार हो सकेगा।

संजय एम तराणेकर
इन्दौर- (मध्य प्रदेश)

मुश्किल में पड़े ट्रंप...?

रण की राख अभी ठंडी भी ना थी,
लहरों में उठ रहा था असीम धुआँ।
होर्मूज़ की साँसें अटकी जा रहीं थीं,
दुनिया देख रही समुंदर का कुआँ।

आवाज़ आई 'मित्र बन,संग चलो, '
पर आगे कदम ठिठके नज़रें झुकी।
जापान भी चुप व ऑस्ट्रेलिया हैं दूर,
आम सहमतियों की राहें रहीं थमी।

दक्षिण कोरिया ने सोचा—'देखेंगे, '
जर्मनी ने भी सीधा इंकार हैं किया,
तब नाटो की छाया भी अलग हुई,
जब 'विश्वास' ने यह सवाल किया।

वहाँ चेतावनी के 'स्वर' हो गए ऊँचे,
यूं गूंज में खालीपन नज़र आया था।
जो साथ थे कल तक इस सफ़र में,
वर्तमान में ही 'दूरी' का आलम था।

ग्रीनलैंड की हो गई वह बात पुरानी,
जो अभी-भी याद दिलाती हर मोड़।
अब तो जब भरोसे की डोर ही टूटी,
तो फ़िर कैसे जुड़े आकर नए जोड़?

अब गाज़ा से लेकर बोर्ड ऑफ पीस,
सभी में अकेलापन झलक रहीं टिस।
मंच सजा वे साथी यहाँ पे नदारद थे,
टैरिफ की 'तल्ख़ हवाओं' के ग़म थे।

माँ चंद्रघंटा

देव-शक्ति को
असुर-भाव ने,
जिस युग में भी
ललकारा है।।

नया रूप धर माँ ने तब- तब,
सब दुष्टों को माँ ने मारा है।।

दुर्गा के नौ रूप मनोहर,
नव सृजन सृष्टि का करते है।
माँ के दिव्य रूपों की भक्ति,
सब मिल साधक करते है।।

तीजा रूप चंद्रघंटा हैं ,
अनुपम शौर्य दिखाने वाला।
दारुण अंत किया असुरों का,
है सुख-सृष्टि रचाने वाला।।

जग को दे तेज, शौर्य की,
भक्तों में बर्षा करती हैं।
घंटाकार चंद्र शोभित है,
शस्त्र भुजाओं में धरतीं हैं।।
आयुर्वेद में रूप माँ का,
औषधी 'चंद्रसुर' कहलाता ,
ये हृदय और चर्म रोग से,
जो है सहज मुक्ति का
दाता।।

पूर्ण नव-रात्र करें साधना,
दिव्य-शक्ति का आह्वान करें।
असुर-भाव मारें सब मन के,
देव-शक्ति का ही ध्यान
करें।।

माँ ही जीवन देती सबको,
माँ ही सदगुण सिखलाती है।
एक वर्ष में चार-चार है,
नव-रात्र भवानी आती हैं।।

माँ की महिमा को जो मानें,
वो सदाचार अपनाते हैं।
करते सम्मोनित
मातृ-शक्ति जो,
वो सम्मानित हो जाते हैं।।

राज किशोर बाजपेयी
'अभय' ग्वालियर

विश्व जल दिवस पर विशेष...हर बूंद की पुकार,जल संरक्षण ही समाधान

योगेश कुमार गोयल

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। विश्व जल दिवस 2026 की थीम है 'जल और लिंग'। यह थीम लिंग और जल तक पहुंच के बीच के महत्वपूर्ण और प्रायः असमान संबंध को उजागर करती है तथा साथ ही इस बात पर भी जोर देती है कि वैश्विक जल संकट का सबसे अधिक बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है और उन्हें नेतृत्व एवं निर्णय लेने में शामिल किया जाना चाहिए। जल प्रबंधन एक लैंगिक मुद्दा है,जिसमें महिलाएं और लड़कियां अक्सर पानी इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार होती हैं और स्वच्छता सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित होती है। दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं,जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। 'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल,सिंचाई,कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों,झीलों,नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है,ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है,जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं। विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है,इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं,जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें। दरअसल पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी,तालाबों,झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे,जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं। महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है,जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

सुविचार

जब तक हम खुद को नही बदलते, तब तक हमारी स्थिति नही बदलती।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

C M Y K

सरगुजा ओलंपिक 2026 का भव्य शुभारंभ....प्रतिभाओं के महासंगम में चमका युवा हुनर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा 'यह खिलाड़ियों का महाकुंभ'

2000 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी,12 खेल विधाओं में मुकाबले

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित सरगुजा ओलंपिक 2026 का भव्य आगाज़ सरगुजा जिले के अम्बिकापुर स्थित पीजी कॉलेज ग्राउंड में हुआ। तीन दिवसीय इस संभाग स्तरीय खेल महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने किया। उद्घाटन अवसर पर पूरे संभाग से आए खिलाड़ियों, जनप्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों की बड़ी उपस्थिति ने आयोजन को उत्सव का रूप दे दिया।

सपनों को नई उड़ान देने का मंच

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देने का मंच है। उन्होंने इसे 'खिलाड़ियों का महाकुंभ' बताते हुए कहा कि सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, कोरिया, सूरजपुर और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों से आए 2 हजार 190 से अधिक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें 1 हजार 44 महिला और 1 हजार 146 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं, जो 17 वर्ष से कम एवं 17 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

भावनाओं का किया सम्मान

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बताया कि बस्तर ओलंपिक की सफलता के बाद सरगुजा में भी इस तरह के आयोजन की मांग उठी थी,जिसे सरकार ने प्राथमिकता दी। विकासखंड और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं के बाद अब संभाग स्तर पर यह आयोजन किया जा रहा है।

ओलम्पिक में मैडल जीतने वाले खिलाड़ियों को मिलेगा करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि

उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 21 लाख रुपये,स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही 'खेलो इंडिया' के तहत स्टेडियम निर्माण और खेल अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। बस्तर और सरगुजा ओलंपिक के लिए 10 करोड़ रुपये का बजट भी निर्धारित किया गया है।

खिलाड़ियों के साथ-साथ सरकार

केबिनेट मंत्री श्री श्रीराम विचार नेताम ने खिलाड़ियों से कहा अपनी खेल कौशल से परिवार,समाज,प्रदेश व देश का नाम रोशन करें। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर से लेकर सरगुजा तक खेल प्रतिभाओ को मंच देने का कार्य कर रही है।

तीन दिवसीय आयोजन में 12 विधा पर दिखेगा हुनर

तीन दिवसीय इस खेल महोत्सव में कबड्डी,खो-खो, तीरंदाजी,फुटबॉल,वॉलीबॉल,हॉकी,कुश्ती,दौड़,बैडमिंटन और रस्साकशी सहित 12 खेल विधाओं में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। आयोजन के लिए अम्बिकापुर के विभिन्न खेल स्थलों पीजी कॉलेज ग्राउंड, हॉकी स्टेडियम, गांधी स्टेडियम और मल्टीपरपज हॉल में व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के लिए आवास, भोजन तथा अन्य आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में राज्य में पारित विभिन्न महत्वपूर्ण विधेयकों की भी जानकारी दी, जिनमें भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने तथा परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक रोकने के लिए कड़े प्रावधान शामिल हैं। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े,सरगुजा सांसद श्री चिंतामणी महाराज,लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर,जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्ष श्री रामकिशुन सिंह,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,नगर पालिक निगम अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत,सरगुजा कमिश्नर श्री नरेंद्र दुग्गा, आईजी श्री दीपक झा,कलेक्टर श्री अजीत वसंत,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल,स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

गीता फोगाट ने दी सफल होने का मंत्र

कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय स्तर की कुश्ती खिलाड़ी गीता फोगाट की मौजूदगी खिलाड़ियों के लिए विशेष आकर्षण रही। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक छोटे से गाँव से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचने के पीछे उनके पिता का प्रोत्साहन और उनकी मेहनत रही। उन्होंने खिलाड़ियों को संदेश दिया कि नशे से दूर रहकर कड़ी मेहनत और जुनून के साथ अपने लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हार से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही सफलता का रास्ता है। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से बेटियों को समान अवसर देने की अपील की।

श्री विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों को भेंट की वॉलीबॉल, कहा...'प्रतिभा को मिलेगा सही मंच और सम्मान'

सरगुजा ओलंपिक 2026 के शुभारंभ अवसर पर श्री विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने खिलाड़ियों को वॉलीबॉल भेंट कर खेल भावना को प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सशक्त करियर विकल्प बन चुका है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और निखारने की है, जिस दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बस्तर और सरगुजा संभाग के खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि यहां के युवाओं में खेल के प्रति अद्भुत उत्साह और समर्पण देखने को मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील की कि इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता को एक अवसर के रूप में लें और अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। श्री विष्णु देव साय ने कहा कि खेल में हार-जीत स्वाभाविक है, लेकिन हार से निराश होने की बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीत मिलने पर भी रुकना नहीं है, बल्कि अगले लक्ष्य के लिए और अधिक मेहनत करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत किया पौधारोपण

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सरगुजा जिला प्रवास के दौरान अम्बिकापुर के राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र पहुंचे। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में आज विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत राज्य के राजकीय वृक्ष 'साल' के पौधे का रोपण किया। इस दौरान कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम,पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल,महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद श्री चिंतामणी महाराज, लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो,नगर निगम महापौर अम्बिकापुर श्रीमती मंजूषा भागत,पूर्व सांसद सरगुजा श्री कमलभान सिंह मरावी, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थायी समिति की अध्यक्ष श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया, कलेक्टर श्री अजीत वसंत,पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का किया शुभारंभ...

किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री श्री साय

- आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर विशेष जोर
- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने लगाया साल का पौधा
- दलहन-तिलहन के उत्पादन को बढ़ावा देने वाले प्रयासों से किसानों को मिल रहा है लाभ
- स्टॉलों का किया निरीक्षण, हितग्राहीमूलक सामग्रियां की गई वितरित

अम्बिकापुर,21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र में दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर किसानों को दी जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के उपायों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत साल का पौधा रोपित किया और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, जहां लगभग 80 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों से धान की खरीदी 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से 3100 रुपये में कर रही है तथा अंतर की राशि का भुगतान भी एकमुश्त किया जा रहा है। श्री साय ने कहा कि पिछले 2 वर्षों से हमारी सरकार किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है। उन्होंने किसानों से संवाद कर होली के पूर्व धान के अंतर की राशि का भुगतान तथा योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है,लेकिन तिलहन उत्पादन में अभी भी कमी है। वर्तमान में देश अपनी आवश्यकता का लगभग 57 प्रतिशत ही तिलहन उत्पादन कर पा रहा है, शेष 43 प्रतिशत आयात करना पड़ता है। इस कमी को दूर करने के लिए तिलहन विकास परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों के सुझावों को अपनाकर तिलहन उत्पादन बढ़ाएं। उन्होंने जानकारी दी कि कृषक उन्नति योजना की तर्ज पर तिलहन फसलों के लिए प्रति एकड़ 11 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को अपनाकर आय बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि जीएसटी में सुधार के बाद कृषि यंत्रों की कीमतों में कमी आई है, जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है। कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना आवश्यक है। उन्होंने किसानों से दलहन एवं तिलहन फसलों का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने तिलहन विकास कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को विश्वविद्यालय के माध्यम से उन्नत बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्य में संचालित 28 कृषि महाविद्यालयों,27 कृषि विज्ञान केंद्रों एवं अनुसंधान संस्थानों के जरिए हर वर्ष लगभग 50 हजार किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े,पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल,सांसद श्री चिंतामणि महाराज,विधायक श्री प्रबोध मिंज, विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर,महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,कृषि स्थायी समिति की अध्यक्ष श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री राम किशुन सिंह, सभापति श्री हरमिंदर सिंह, पूर्व सांसद सरगुजा श्री कमलभान सिंह मरावी , सम्भागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा,पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक झा,कलेक्टर श्री अजीत वसंत,पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टॉलों का किया निरीक्षण, हितग्राहीमूलक सामग्रियां की गई वितरित

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान 40 स्टॉल लगाए गए,जिसमें 5 स्टॉल इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय,8 स्टॉल विभिन्न विभागों के, 27 स्टॉल विभिन्न प्राइवेट कम्पनियों के लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया। उन्होंने 03 हितग्राहियों जगजीवन राम, कलिंदर राम,कृपाशंकर सिंह को मछली पालन विभाग अंतर्गत जाल एवं आईस बॉक्स वितरण किया गया। वहीं 2 हितग्राहियों सुखराम कुजूर एवं उमेश्वर लाल राजवाड़े को ट्रैक्टर हेतु अनुदान राशि का चेक प्रदान किया गया।स्टॉलों में किसानों को शासन के विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई तथा कम्पनियों द्वारा मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई।

अंतिम क्षण तक लक्ष्य के लिए जुटे रहो-गीता फोगाट से मिलकर उत्साहित हुए खिलाड़ी, बोले...'गीता दीदी हमारी रोल मॉडल'

शनिवार का दिन सरगुजा संभाग के हजारों खिलाड़ियों के लिए यादगार बन गया, जब सरगुजा ओलंपिक 2026 के शुभारंभ अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित गीता फोगाट से खिलाड़ियों को रूबरू मिलने का अवसर मिला। अम्बिकापुर प्रवास के दौरान 2 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने उनसे मुलाकात कर प्रेरणा प्राप्त की। जैसे ही खिलाड़ी गीता फोगाट से मिले, पूरे मैदान में उत्साह का माहौल बन गया। खिलाड़ियों के चेहरों पर खुशी झलकने लगी और 'गीता दीदी जिंदाबाद' के नारों से वातावरण गूंज उठा। यह पल खिलाड़ियों के लिए बेहद प्रेरणादायक और यादगार बन गया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए गीता फोगाट ने कहा कि सरगुजा की धरती खेल प्रतिभाओं के लिए अत्यंत अनुकूल है। उन्होंने खिलाड़ियों को सफलता का मूल मंत्र देते हुए कहा, 'हार से बिल्कुल निराश न हों, खुद पर विश्वास रखें और अंतिम क्षण तक अपने लक्ष्य के लिए जुटे रहें, सफलता अवश्य मिलेगी।' उन्होंने आगे कहा कि जीवन के किसी भी क्षेत्र चाहे खेल हो, नौकरी, परीक्षा या व्यवसाय में आगे बढ़ने के लिए रुचि, जुनून और कड़ी मेहनत आवश्यक है। इसके साथ ही धैर्य, नशे से दूरी और सकारात्मक सोच सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने और पूरी लगन से अभ्यास करने की सलाह दी।

सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, जशपुर, कोरिया और एमसीबी जिलों से आए खिलाड़ियों ने गीता फोगाट को अपना रोल मॉडल बताते हुए कहा कि उनके संघर्ष और मेहनत से प्रेरणा मिलती है।खिलाड़ियों ने कहा कि 'गीता दीदी' ने यह साबित किया है कि कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित खिलाड़ियों ने भी राज्य सरकार के इस प्रयास की सराहना की। उनका कहना था कि सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से उन्हें न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिला है, बल्कि एक नई पहचान और भविष्य के लिए नई उम्मीद भी जगी है।

CMYK

कोडा धान खरीदी केंद्र बना अव्यवस्था का अड्डा

जानवर खा रहे धान-अफसर बेपरवाह

धान खुले में,सिस्टम फेल-कोडा में किसानों की मेहनत पर संकट

■ खरीदी हुई फसल बर्बाद,जिम्मेदार गायब-कोडा केंद्र में हाल बेहाल ■ जानवरों के हवाले धान,अफसरों के हवाले बहाने!

राजेन्द्र शर्मा

खड़गवां (एमसीबी),21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति कोडा का धान खरीदी केंद्र इन दिनों बदइंतजामी, लापरवाही और गैर-जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण बन चुका है, यहां खरीदा गया धान खुले में पड़ा है,जानवर उसे खा रहे हैं,मौसम उसे खराब कर रहा है और जिम्मेदार अधिकारी हाथ खड़े कर चुके हैं,यह सिर्फ एक केंद्र की कहानी नहीं, बल्कि उस सिस्टम की हकीकत है जहां कागजों में व्यवस्था पूरी और जमीन पर सबकुछ ध्वस्त नजर आता है।

खुले में धान,खुलेआम बर्बादी

कोडा खरीदी केंद्र का नजारा किसी भंडारण स्थल से ज्यादा एक अव्यवस्थित मैदान जैसा दिखता है धान के बोरे बिना तिरपाल के खुले में पड़े हैं,बाउंड्री या घेराबंदी का कोई इंतजाम नहीं, मवेशी बेधड़क आकर धान खा रहे हैं,कहीं भी सुरक्षा या निगरानी के संकेत नहीं है यह स्थिति साफ बताती है कि भंडारण की कोई पूर्व तैयारी नहीं की गई थी।

मैनेजर का बयान बना विवाद का कारण

जब इस गंभीर लापरवाही पर समिति मैनेजर से सवाल किया गया,तो उनका जवाब जिम्मेदारी से बचने वाला और चौंकाने वाला था मैं भगवान

थोड़ी हूं कि हाथ हिलाऊं और तिरपाल ढक जाए...जहां शिकायत करनी है कर लो,यह बयान न सिर्फ असंवेदनशील है,बल्कि यह दर्शाता है कि अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह पल्ला झाड़ रहे हैं, क्या अब किसानों को न्याय के लिए खुद लड़ना पड़ेगा?

किसानों की मेहनत पर संकट

धान खरीदी केंद्र पर आए किसानों की पीड़ा साफ झलक रही है की महीनों की मेहनत से उगाया गया धान सुरक्षित नहीं,उचित भंडारण के अभाव में नुकसान का खतरा,लंबी कतारों में खड़े होकर भी कोई सुनवाई नहीं,किसानों का कहना है कि सरकार खरीदी तो कर रही है, लेकिन संरक्षण की व्यवस्था पूरी तरह नदारद है।

कर्मचारी मोबाइल में व्यस्त,किसान लाइन में परेशान

व्यवस्था की पोल तब और खुलती है जब केंद्र के अंदर की स्थिति देखी जाती है की कंप्यूटर ऑपरेटर कान में हेडफोन लगाकर मोबाइल पर व्यस्त,किसान घंटों इंतजार करते रहते हैं, कामकाज की गति बेहद धीमी,समिति मैनेजर का अक्सर अनुपस्थित रहना यह दृश्य प्रशासनिक लापरवाही का सीधा प्रमाण है।

मौसम और जानवर की दोहरी मार

खुले में पड़ा धान दोहरी मार झेल रहा है मौसम का असर है, बारिश और आंधी से धान भीग रहा, तिरपाल उड़ जाने के बाद कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं, जानवरों का खतरा भी मवेशी धान को नुकसान पहुंचा रहे,खुले क्षेत्र में कोई रोक-टोक नहीं इसका सीधा असर धान की गुणवत्ता और मूल्य पर पड़ रहा है।

सिस्टम पर खड़े बड़े सवाल

- खरीदी शुरू होने से पहले भंडारण की व्यवस्था क्यों नहीं की गई?
- क्या फंड और संसाधनों का सही उपयोग हुआ?
- जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी या नहीं?
- किसानों के नुकसान की भरपाई कौन करेगा?

प्रशासन की भूमिका कटघरे में...

यह मामला सिर्फ एक केंद्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे सिस्टम की खामियों को उजागर करता है, योजना बनती है,लेकिन क्रियान्वयन कमजोर, जिम्मेदारी तय नहीं होती,निगरानी तंत्र फेल हो जाता है,अगर इस पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई,तो ऐसे मामले बार-बार सामने आते रहेंगे।

जनता और किसानों की मांग...

क्षेत्र के किसानों और नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है,तत्काल जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई, किसानों के नुकसान की भरपाई,भंडारण और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम,कर्मचारियों की नियमित निगरानी।

कागजों में व्यवस्था,जमीन पर अराजकता

कोडा धान खरीदी केंद्र की यह स्थिति एक बड़े सच को उजागर करती है,योजनाएं बनती हैं, बजट खर्च होता है, लेकिन जमीन पर परिणाम शून्य रहता है,यह घटना बताती है कि जवाबदेही की कमी सबसे बड़ी समस्या है,स्थानीय स्तर पर निगरानी तंत्र कमजोर है, अधिकारियों की संवेदनशीलता घटती जा रही है।

धान नहीं,भरोसा भी हो रहा बर्बाद

कोडा का यह खरीदी केंद्र सिर्फ धान की बर्बादी की कहानी नहीं है की यह किसानों के भरोसे,मेहनत और उम्मीदों के टूटने की कहानी है,अब देखना यह है कि क्या प्रशासन इस पर सख्त कार्रवाई करेगा? या फिर यह मामला भी 'जहां शिकायत करनी है कर लो' जैसी मानसिकता में दबकर रह जाएगा?

लखनपुर क्षेत्र में युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या,कारण अज्ञात

-संवाददाता-

लखनपुर,21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नरकालो में एक युवती ने अज्ञात कारणों से आत्महत्या कर ली है। मृतका की पहचान रबीना सिंह (26) के रूप में हुई है,जो पति थीबू राम की पत्नी थीं जानकारी के अनुसार, घटना 20 मार्च शुक्रवार की दरमियानी रात में हुई। रबीना सिंह अपने मायके में मौजूद थीं,जहां अपने दुपट्टे से मयार में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। आत्महत्या के पीछे के कारणों की अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद, मानसिक तनाव या अन्य व्यक्तिगत कारणों की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस ने अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया और मर्ग कायम कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है ,

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन

सामाजिक जागरूकता के साथ युवाओं ने निभाई जिम्मेदारी

-संवाददाता-

बलरामपुर,21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

शासकीय पॉलिटेक्निक रामानुजगंज द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विशेष शिविर ग्राम पंचायत भवन परिसर ताम्बेश्वरनगर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम संस्था के प्राचार्य डॉ. एस.पी. मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया,शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासन, समयपालन और टीमवर्क का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रथम दिवस पर सभी स्वयंसेवकों को शिविर की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी गई,साथ ही सामाजिक कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया ।सात दिवसीय शिविर में प्रभात फेरियों के माध्यम से विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ,नशामुक्ति,वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जनजागरूकता लाई गई। साथ ही परियोजना कार्यों के अंतर्गत स्कूल परिसर,तालाब एवं मैदान की साफ-सफाई,प्राथमिक शाला एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में शिक्षण कार्य भी किया गया। स्वयंसेवकों ने ग्राम स्तर पर सर्वे कार्य करते हुए डिजिटल साक्षरता (एआई),स्वच्छता,लिंगानुपात एवं अन्य सामाजिक विषयों पर जानकारी एकत्रित की। बौद्धिक परिचर्चा में कृषि,मानसिक स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। शिविर के दौरान प्राथमिक शाला ताम्बेश्वरनगर के बच्चों के लिए पिट्ठुल,चम्मच दौड़ एवं कुर्सी दौड़ जैसे पारंपरिक खेलों का आयोजन भी किया गया,जिससे बच्चों में उत्साह से भाग लिया।

उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न घोटाला,तीन पर एफआईआर

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

सीतापुर क्षेत्र के शासकीय उचित मूल्य दुकान पेटला में खाद्यान्न घोटाले का मामला सामने आया है। सहायक खाद्य अधिकारी द्वारा किए गए जांच में ऑनलाइन स्टॉक और भौतिक सत्यापन के बीच बड़ा अंतर पाया गया है। मामले में तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। सरस्वती राजवाड़े सीतापुर में सहायक खाद्य अधिकारी के पद पर पदस्थ है। शिकायत पर 3 अक्टूबर 2024 को शायकीय उचित मूल्य दुकान पेटला आईडी क्रमांक 392003027 की जांच की गई थी। जांच में चावल 335.17 क्विंटल और चना 3.08 क्विंटल कम मिला। इन खाद्यान्नों की बाजार कीमत करीब 13 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। मामले में दुकान का संचालन कर रहे माता स्वयं सहायता समूह के अध्यक्ष रामकली, सचिव मुनिया और विक्रेता जयमल एक्का को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन निर्धारित समय में कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया।

सरगुजा अंचल में अनेक नामों से विराजमान हैं देवी

चैत्र नवरात्रि में स्थानीय लोग धूम-धाम से करते हैं पूजा

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

चैत्र मास देवी उपासना का पवित्र महीना है। चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से लेकर नवमी तक देवी पूजा की धूम रहती है। इस अवसर पर देवी की विभिन्न रूपों में पूजा होती है। चैत्र नवरात्रि के समय सभी देवी मंदिरों में धूमधाम से देवी की पूजा अर्चना की जाती है। सरगुजा के जनजातीय समुदाय के लोग भी मां भगवती की पूजा पारंपरिक ढंग से विभिन्न नामों से करते हैं। आश्विन नवरात्रि मां दुर्गा पूजा और चैत्र नवरात्रि रामनवमी पूजा के लिए प्रसिद्ध है। सरगुजा अंचल में विभिन्न तीज, त्यौहार पर्व,संस्कारों और सभी पावन अवसरों पर पारंपरिक लोकगीतों का गायन किया जाता है। चाहे वह पावन अवसर देवी पूजा ही क्यों ना हो। सरगुजा अंचल में चैत्र नवरात्रि में सभी जगह देवी पूजा की धूम रहती है। और चारों तरफ देवी सेवा गीत और जस गीत की धून सुनाई देती है। नवरात्रि में सरगुजिहा लोक गीतों के साथ देवी के नौ रूपों की पूजा बड़े ही मनोयोग से की जाती है। चैत्र रामनवमी के अवसर पर जवारा बुन कर नौ दिनों तक देवी सेवा गीतों का गायन किया जाता है। ग्रामीण देवी का रूप धारण कर जवारा निकालते हैं। जिस व्यक्ति पर देवी सवार रहती हैं। वह

अपने शरीर के विभिन्न अंगों में त्रिषूल का बाना धारण कर खप्पर पकड़ता है। किंदरा, डमफा, डोल जैसे विभिन्न पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ सेवा गीत गाते हुए घर-घर दर्शन दे कर, देवी रोग, कष्ट दूर करने का आषीर्वाद देती हैं।

सरगुजा अंचल की आराध्य देवी हैं मां महामाया : राज्यपाल पुरस्कृत पदुम लाल पुन्ना लाल बख्सी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार अजय कुमार चतुर्वेदी बताया कि सरगुजा अंचल में विभिन्न नामों से देवी की पूजा अर्चना की जाती है। अंबिकापुर मे सरगुजा राज परिवार की कुल देवी और सरगुजा अंचल की आराध्य देवी जगत जननी मां महामाया के नाम से,सूरजपुर जिले के देवीपुर में महामाया और ओडगी तहसील के कुदरगढ़

में कुदरगढ़ी देवी और महोली गांव में गढ़वतिया देवी के नाम से पूजा होती है। प्रेमनगर विकासखंण्ड के पंपापुर में महामाया और मंदिरों की नगरी प्रतापपुर में मां समलेश्वरी, मां महामाया और मां काली की पूजा होती है। और रमकोला में ज्वालामुखी देवी नाम से देवी की पूजा-अर्चना होती है। शंकरगढ़ चलगली के महामाया मंदिर में 'बड़की माई' के नाम से पूजी जाती देवी हैं। मान्यता है कि यहां देवी मां का स्वरूप नगाड़े में विराजमान है। इसलिए मंदिर का पुजारी (बैगा) मां के खडग और नगाड़े की पूजा विधि विधान से राजपरिवार के तत्कालीन उत्तराधिकारी से करावाता है।

खडग और नगाड़े की होती है पूजा होती : मां महामाया सरगुजा संभाग

मुख्यालय अंबिकापुर से लगभग 60 किलोमीटर की दूरी पर चलगली महामाया मंदिर में राज परिवार की कुलदेवी और आदिवासी अंचल की आराध्य देवी के रूप में पूजित हैं। यहां प्रत्येक वर्ष क्वार नवरात्रि के अवसर पर पंचमी तिथि को शंकरगढ़ राजपरिवार के वर्तमान उत्तराधिकारी के द्वारा विशेष पूजा की जाती है। शंकरगढ़ राजपरिवार के वर्तमान उत्तराधिकारी श्री अनुराग सिंह देव ने बताया कि यहां की महामाया हमारी कुलदेवी के रूप में पूजित हैं। इसलिए प्रत्येक क्वांर नवरात्रि की पंचमी को हमारे परिवार के द्वारा विशेष पूजा और नौ कन्याओं को भोज कराया जाता है। प्रायः देखा जाता है कि देवी मंदिरों में किसी मूर्ति या प्रतिमा की पूजा होती है। किंतु चलगली के महामाया मंदिर में केवल मां के खडग और नगाड़े की पूजा होती है। इस संबंध में ऐसी मान्यता प्रचलित है कि देवी मां का स्वरूप नगाड़े में विराजमान है, इसलिए नगाड़े और मां की खडग की विशेष पूजा होती है।

भगवान राम ने भी की थी पूजा

सरगुजा अंचल की प्रसिद्ध देवी कुदरगढ़ी माता हैं। सूरजपुर जिला अन्तर्गत ओडगी ब्लाक मुख्यालय से लगभग छः किलो मीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम मे कुदरगढ़ पर्वत के सघन वनों के बीच शक्तिपीठ मां बागेश्वरी बाल रूप में कुदरगढ़ी देवी के नाम से विराजमान हैं। दोनों नवरात्रि में यहां नौ दिनों तक श्रद्धालू भक्तों का तांता लगा रहता है। शक्तिपीठ मां बागेश्वरी कुदरगढ़ी देवी के संबंध में एक जनश्रुति प्रचलित है कि वनवास काल में भगवान श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता ने भी इस पर्वत पर मां वन देवी की पूजा अर्चना की थी। पदुम लाल पुन्ना लाल बख्सी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार अजय कुमार चतुर्वेदी ने शक्तिपीठ मां कुदरगढ़ी देवी की गौरव गाथा लिखी है,जो शक्तिपीठ पुस्तक में प्रकाशित है। इस पुस्तक के संपादक प्रो0 आलोक कुमार चक्रवाल, कुलपति केन्द्रीय विवि बिलासपुर हैं।

दुपहिया वाहन चोर गिरोह का खुलासा,दो आरोपी गिरफ्तार

घुटरापारा नर्सरी के पास छिपाए गए 6 वाहन बरामद,आरोपियों को भेजा गया जेल

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर में दुपहिया वाहन चोरी के बढ़ते मामलों के बीच कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई कुल 6 दुपहिया वाहन–2 स्कूटी और 4 मोटरसाइकिल–बरामद किए हैं। आरोपियों द्वारा इन वाहनों को घुटरापारा स्थित नर्सरी के पास छिपाकर रखा गया था। मामले की शुरुआत मायापुर निवासी राधा देवी की शिकायत से हुई। उनकी एक्टिवा स्कूटी 16 मार्च को कोतवाली क्षेत्र से चोरी हो गई थी। पीड़िता ने 19 मार्च को कोतवाली थाना पहुंचकर इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास जानकारी जुटाई और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि समलाया मंदिर के पास दो युवक संदिग्ध रूप से घूम रहे हैं और वाहन चोरी की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम चंदन गुप्ता (22 वर्ष),निवासी घुटरापारा, थाना कोतवाली, और जीवन कैलाश उर्फ बुट (27 वर्ष),निवासी ग्राम धंधापुर महुआपारा,थाना राजपुर,जिला बलरामपुर -रामानुजगंज बताया। प्रारंभ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने चोरी की घटनाओं को स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 16 मार्च को राधा देवी की स्कूटी चोरी की थी। इसके अलावा उन्होंने शहर के विभिन्न स्थानों से चार अन्य मोटरसाइकिल और एक और स्कूटी चोरी करना भी कबूल किया। चोरी के बाद सभी वाहनों को घुटरापारा स्थित नर्सरी के पास छिपाकर रखा गया था, ताकि बाद में उन्हें बेच सकें। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी 6 वाहन बरामद कर लिए। बरामद वाहनों की कुल कीमत लगभग 3 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों का किसी बड़े गिरोह से संबंध तो नहीं है और क्या उन्होंने अन्य क्षेत्रों में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। इस पूरी कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। टीम में उप निरीक्षक सीपी तिवारी, केके यादव सहित कई आरक्षक सक्रिय रूप से शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ईद की नमाज अदा कर देश में अमन-चैन की मांगी दुआ

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

ईद के मौके पर शनिवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जिले की विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में अकीदत के साथ नमाज अदा की। नमाजियों ने मुल्क में अमन और खुशहाली की दुआ मांगी। मुस्लिम समाज के पवित्र माह रमजान में एक माह तक समाज के लोग रोजा रखने के साथ ही इबादत में मशगूल रहे। रमजान में तरावीह की नमाज के साथ ही दावते इफ्तार का आयोजन किया गया। वहीं समाज के लोगों द्वारा ईद को लेकर जोर-शोर से तैयारियां की जा रही थी। समाज द्वारा घरों की साफ-सफाई के साथ ही जमकर खरीददारी की गई। ईद का चांद नजर आते ही समाज के लोगों में खुशियां फैल गई। शनिवार को ईद की नमाज को लेकर सुबह से ही समाज के लोग ईदगाह व मस्जिदों की तरफ रवाना हुए थे। ईदगाह में सुबह 9 बजे ईद की नमाज अता की गई। इस दौरान पेश ईमाम द्वारा समाज के लोगों को ईद के मौके पर गिले शिकवे मिटाकर एक दूसरे को गले लगाने की सीख दी गई। इसके साथ ही सदर रोड स्थित जामा मस्जिद में सुबह 9.30 बजे, तकिया मजार स्थित मस्जिद में सुबह 8.30 बजे व केंद्रीय जेल में सुबह 8.30 बजे ईद की दो रकत नमाज पढ़ाई गई। ईद के मौके पर लोगों में खास उत्साह देखने को मिला। समाज के लोगों अपने व परिवार के लिए तरक्की, खुशहाली के साथ ही देश में अमन चैन व आपसी भाईचारे की दुआ मांगी व एक दूसरे को गले लगकर ईद की बधाई दी। ईद की नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा भी ईदगाह व मस्जिदों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस दौरान पूर्व छत्तीसगढ़ श्रम

कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहद, इरफान सिद्दीकी,परवेज आलम,अफजाल अंसारी,अब्दुल लतीफ,मो. फरहान,अमीर अंसारी आदि मौजूद थे।

ईद मिलन समारोह का आयोजन

ईद के मौके पर शनिवार को शहर के इंद्रवाटिका में ईद मिलन का आयोजन श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद द्वारा किया गया। इस दौरान ईद मिलन समारोह में सभी समाज के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया व एक दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी।

CMYK

माँ कुदरगढ़ी का आशीर्वाद, विकास की बौछार

185 करोड़ के कार्यों का शुभारंभ

माँ कुदरगढ़ी धाम में श्रद्धा का अद्भूत दृश्य

नवरात्रि के अवसर पर कुदरगढ़ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, मुख्यमंत्री ने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा कर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की,उन्होंने कहा कि नवरात्रि का पर्व शक्ति,विश्वास और नई ऊर्जा का प्रतीक है,जो समाज को सकारात्मक दिशा देता है।

185 करोड़ के 76 विकास कार्यों की बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री ने जिलेवासियों को 185 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से विकास कार्यों की ऐतिहासिक सौगात दी,52 कार्यों का लोकार्पण और 24 कार्यों का भूमिपूजन हुआ,इन परियोजनाओं में शामिल हैं,सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण,शासकीय भवनों का निर्माण,पेयजल योजनाएं,शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं,जलाशय एवं नगरीय अधोसंरचना,मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कार्यों से जिले के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में विकास की नई गति आएगी।

कुदरगढ़ धाम में रोपवे निर्माण की घोषणा

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने कुदरगढ़ धाम में रोपवे निर्माण की घोषणा की, उन्होंने बताया कि रोपवे से दर्शन करना आसान होगा,बुजुर्गों और दिव्यांगों को विशेष लाभ मिलेगा,क्षेत्र में डोम, बिजली और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा,यह कदम कुदरगढ़ धाम को एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पोषण योजनाओं की सराहना,महिलाओं को मिल रहा लाभ

मुख्यमंत्री ने जिले में संचालित रेडी टू ईट निर्माण कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं और बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है,उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल स्वास्थ्य सुधार रही है,बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी प्रदान कर रही है।

जागरूकता रथों को दिखाई हरी झंडी

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सुपोषण रथ,आपराधिक जागरूकता रथ, यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया,उन्होंने कहा कि जनजागरूकता के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

नक्सलवाद उन्मूलन और विकास पर जोर

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार बस्तर क्षेत्र से नक्सलवाद समाप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, उन्होंने विश्वास जताया कि विकास और सुरक्षा के समन्वय से प्रदेश में शांति और प्रगति सुनिश्चित होगी।

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विकासखंड ओड़गी के ग्राम पंचायत कुदरगढ़ पहुंचकर माँ कुदरगढ़ी धाम में विधिवत पूजा-अर्चना की, इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि माता का आशीर्वाद राज्य को निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाएगा।

महिला एवं बाल विकास पर विशेष फोकस

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सरकार महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है,आंगनबाड़ी सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है,पोषण कार्यक्रमों को विस्तार दिया जा रहा है,उन्होंने कुदरगढ़ क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि,अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा,पूर्व विधायक श्रीमती रजनी त्रिपाठी,आईजी दीपक झा,कलेक्टर एस. जयवर्धन,एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

कृषि और खेल को मिल रहा बढ़ावा

कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं चला रही है, उन्होंने सरगुजा ओलंपिक का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

नवरात्रि पर श्रद्धा और विकास का संगम,मुख्यमंत्री ने दी बड़ी सौगात

कुदरगढ़ धाम में गूंजा विकास का शंखनाद, करोड़ों के कार्यों की शुरुआत

माँ कुदरगढ़ी के दरबार में मुख्यमंत्री, सूरजपुर को मिली 185 करोड़ की रफ्तार

आस्था के साथ विकासः कुदरगढ़ धाम से मुख्यमंत्री ने दी करोड़ों की सौगात

पूजा-अर्चना के साथ विकास का ऐलान, 76 कार्यों से बदलेगा सूरजपुर

कुदरगढ़ धाम में मुख्यमंत्री का बड़ा ऐलान,विकास को मिली नई उड़ान

कुदरगढ़ धाम में बनेगा रोपवे, श्रद्धालुओं को मिलेगी बड़ी राहत

धाम का होगा कायाकल्प—रोपवे से लेकर अधोसंरचना तक बड़ा प्लान

आस्था के साथ विकास का संदेश

नवरात्रि के इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री का यह दौरा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहा,बल्कि यह विकास की नई दिशा देने वाला साबित हुआ,एक ओर जहां माँ कुदरगढ़ी के आशीर्वाद से प्रदेश की खुशहाली की कामना की गई, वहीं दूसरी ओर करोड़ों के विकास कार्यों से क्षेत्र को नई गति दी गई,स्पष्ट संदेश है– आस्था,विकास और जनकल्याण साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं।

पत्रकार संघ में विवादः 'असंवैधानिक बैठक' पर प्रदेश महासचिव की कड़ी चेतावनी

-संवाददाता-
कोरिया/बिलासपुर,21 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ में एक नए विवाद ने तूल पकड़ लिया है, संघ के प्रदेश महासचिव शशांक दुबे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर 22 मार्च 2026 को कवर्धा में प्रस्तावित बैठक एवं सम्मेलन को लेकर गंभीर आपत्ति जताई है,उन्होंने इसे असंवैधानिक बताते हुए इसमें शामिल होने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

बैठक की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं

प्रदेश महासचिव शशांक दुबे ने स्पष्ट किया कि कवर्धा में आयोजित होने वाले इस बैठक एवं सम्मेलन की जानकारी न तो उन्हें है और न ही संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध तिवारी या अन्य पदाधिकारियों को दी गई है, उन्होंने कहा कि इस संबंध में संघ की ओर से कोई अधिकृत सूचना जारी नहीं की गई,यह पूरी तरह भ्रामक सूचना है।

पत्रकारों से अपील : भ्रामक सूचना से रहें सावधान

प्रेस विज्ञप्ति में शशांक दुबे ने संघ से जुड़े पत्रकार साथियों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी अनाधिकृत सूचना पर भरोसा न करें,बिना पुष्टि के किसी बैठक या सम्मेलन में शामिल न हों,संघ के नाम का दुरुपयोग करने वालों से सतर्क रहें, उन्होंने इसे संघ की साख और अनुशासन से जुड़ा गंभीर मामला बताया।

असंवैधानिक बैठक में शामिल होने वालों पर भी कार्रवाई संभव

महासचिव ने साफ शब्दों में कहा कि यदि कोई व्यक्ति या समूह संघ के नाम पर बिना अनुमति बैठक या सम्मेलन आयोजित करता है,तो वह पूरी तरह असंवैधानिक होगा,ऐसे आयोजनों में शामिल होने वाले पत्रकार, प्रशासनिक अधिकारी,जनप्रतिनिधि सभी को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माना जाएगा।

न्यायालयीन कार्रवाई की चेतावनी

शशांक दुबे ने चेतावनी दी कि इस तरह के असंवैधानिक आयोजन करने वालों के खिलाफ राज्य शासन को अवगत कराया जाएगा,साथ ही संबंधित लोगों पर न्यायालयीन कार्रवाई की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, उन्होंने कहा कि संघ अपने अधिकारों और गरिमा की रक्षा के लिए हर कानूनी कदम उठाएगा।

संघ के भीतर बढ़ता विवाद?

इस घटनाक्रम ने यह संकेत दिया है कि पत्रकार संघ के भीतर समन्वय की कमी या अंदरूनी विवाद की स्थिति बन रही है,बिना आधिकारिक अनुमति के बैठक की खबर सामने आना,शीर्ष पदाधिकारियों को जानकारी न होना,ये सभी पहलू संगठनात्मक पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

अनुशासन बनाम भ्रम

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ का यह विवाद अब सार्वजनिक हो चुका है,एक ओर संगठन अनुशासन और वैधानिक प्रक्रिया पर जोर दे रहा है,वहीं दूसरी ओर अनाधिकृत गतिविधियों के आरोप सामने आ रहे हैं,अब देखना यह होगा कि क्या यह विवाद सुलझेगा या कानूनी कार्रवाई तक पहुंचेगा?

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/...../अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवकुमार बंसल आ0 के0सी0 बंसल, निवासी मनेन्द्रगढ़ रोड़, हॉलीकास स्कूल के सामने अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 02 मोहल्ला - केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 329,328 कुल रकबा 0.03, 0.06 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-16.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/...../अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तुलसी अग्रवाल आ0 स्व0 विशम्भर दयाल अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-08 मोहल्ला- अग्रसेन वार्ड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2844/3 रकबा 0.07 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 13.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ...../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि अनिल कुमार गुप्ता पिता प्रयाग राम गुप्ता जाति कलवार निवासी लखनपुर तहसील लखनपुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 3736 / 18 रकबा 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/3/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202603020700073

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः-2025-26

झुमरपारा (पहन. 00027)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार - कमला बाई यादव, प्रदीप यादव,कलावती यादव,रजनी यादव,सनमेत बाई यादव,कोमल,जयंत कुमार यादव, इंद्रमोहन राम, अशोक तारा,कमलेश,हर्षित,प्रमिला,धर्मेन्द्र आरती अंकिता,आंचल,आकांक्षा, आकाश,अमन,राजेंद्र आकृति,
अनावेदक पक्षकार- कमलाबाई यादव, प्रदीप यादव,कलावती यादव,रजनी यादव,समेत बाई यादव,कोमल,जयंत कुमार यादव,इंद्रमोहन राम,अशोक, तारा,कमलेश,हर्षित,आरती,अंकिता, आंचल,आकांक्षा,आकाश,अमन, राजेंद्र,आकृति

ईश्तहार

आवेदक कमला बाई पत्नी स्व0 मनमोहन व अन्य निवासी ग्राम झुमरपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम झुमरपारा स्थित कुल खसरा नंबर 8 कुल रकबा 1.821 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/2 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08.04.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/03/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

CMYK

विश्रामगृह लोकार्पण,महिलाओं को सम्मान और जागरूकता रथ रवाना

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर सूरजपुर जिले के कुदरगढ़ धाम में आस्था,विकास और जनजागरूकता का एक अनूठा संगम देखने को मिला,प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने कुदरगढ़ प्रवास के दौरान कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया,उन्होंने जहां एक ओर सर्वसुविधायुक्त नवनिर्मित विश्रामगृह का लोकार्पण किया,वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों को सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, यह पूरा आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं,बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास, सामाजिक सशक्तिकरण और जनहित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया।

नवरात्रि पर कुदरगढ़ में बड़ा आयोजन...विकास, सशक्तिकरण और जनजागरण का संदेश

मुख्यमंत्री का कुदरगढ़ दौरा : 3 करोड़ का विश्रामगृह, महिलाओं को सम्मान और जनजागरूकता अभियान शुरू

आस्था के साथ विकास : कुदरगढ़ में सुविधाओं का विस्तार और जनजागरण की पहल

कुदरगढ़ से विकास का नया मॉडल–पर्यटन, पोषण और जागरूकता पर फोकस

कुदरगढ़ में आधुनिक विश्रामगृह का लोकार्पण, श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर सुविधा

सुपोषण से सड़क सुरक्षा तक–कुदरगढ़ से जनजागरूकता अभियान की शुरुआत

कानूनी जागरूकता से सशक्त समाज की ओर...

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून की जानकारी होना हर नागरिक के लिए आवश्यक है, इससे न केवल अपराध कम होंगे,बल्कि लोगों का न्याय व्यवस्था पर भरोसा भी मजबूत होगा।

कुदरगढ़ बना समग्र विकास का मॉडल

कुदरगढ़ में आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि एक व्यापक सोच का प्रतीक है, जिसमें आस्था को सम्मान, विकास को प्राथमिकता और समाज को जागरूक करने का प्रयास तीनों को एक साथ आगे बढ़ाया गया,यह स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश में विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं,बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण और जनजागरूकता के साथ आगे बढ़ रहा है।

कुदरगढ़ धाम : आस्था के साथ पर्यटन का केंद्र

माँ कुदरगढ़ी देवी मंदिर प्रदेश का एक प्रसिद्ध और आस्था का प्रमुख केंद्र है। चैत्र नवरात्रि के दौरान यहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और कुदरगढ़ महोत्सव का आयोजन होता है,नवनिर्मित विश्रामगृह से श्रद्धालुओं को ठहरने की बेहतर सुविधा मिलेगी,पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा,स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

रेडी टू ईट समूहों को सम्मान

महिलाओं के सशक्तिकरण की मिसाल-मुख्यमंत्री ने कुदरगढ़ प्रवास के दौरान रेडी टू ईट आहार निर्माण से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया,उन्होंने कहा कि यह पहल केवल पोषण तक सीमित नहीं है,बल्कि यह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का भी सशक्त माध्यम बन चुकी है।

योजना की प्रमुख उपलब्धियां

जिले के 2081 आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण आहार वितरण, कुल 86 स्व-सहायता समूह सक्रिय,866 महिलाएं इस कार्य से जुड़ी,इन समूहों द्वारा तैयार खाद्य पदार्थ पौष्टिक,संतुलित और निर्धारित मानकों के अनुरूप हैं,जिनका लाभ गर्भवती महिलाओं,धात्री माताओं और 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों को मिल रहा है,इससे कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को मजबूती मिल रही है।

आधुनिक विश्रामगृह का लोकार्पण

पर्यटन और सुविधा को मिलेगा बढ़ावा-मुख्यमंत्री ने ओड़गी विकासखंड अंतर्गत कुदरगढ़ में लगभग 3 करोड़ 9 लाख 60 हजार रुपये की लागत से निर्मित आधुनिक विश्रामगृह भवन का लोकार्पण किया, यह भवन न केवल संरचनात्मक रूप से आधुनिक है,बल्कि इसमें अतिथियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

विश्रामगृह की प्रमुख सुविधाएं

- 2 वीआईपी सूट एवं 3 वीआईपी कमरे
- विशाल डायनिंग एरिया और सुसज्जित किचन
- वेटिंग एरिया
- गैरेज,गार्ड रूम और सर्वेंट क्वाटर
- वाहन शेड
- 265 मीटर लंबा पहुंच मार्ग
- 420 मीटर की बाउंड्रीवाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विश्रामगृह के शुरू होने से कुदरगढ़ धाम आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और विशिष्ट अतिथियों को बेहतर आवासीय सुविधा मिलेगी,जिससे धार्मिक पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी।

जागरूकता के तीन बड़े अभियान

1. पोषण अभियान

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं,बच्चों और किशोरियों को संतुलित आहार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा।

2. सड़क सुरक्षा अभियान

हेलमेट, सीटबेल्ट और यातायात नियमों के पालन के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

3. नवीन आपराधिक कानून जागरूकता

भारतीय न्याय संहिता,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानूनों की जानकारी आमजन तक सरल भाषा में पहुंचाई जाएगी।

पोषण और रोजगार : दोहरी उपलब्धि

इस पहल की खास बात यह है कि एक ओर बच्चों और महिलाओं को बेहतर पोषण मिल रहा है,दूसरी ओर स्थानीय महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं,इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है और महिलाओं की आत्मनिर्भरता बढ़ रही है।

जागरूकता रथों को हरी झंडी : गांव-गांव पहुंचेगा संदेश

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 5 जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, रथों का विवरण 3 सुपोषण रथ,1 सड़क सुरक्षा रथ,1 नवीन आपराधिक कानून जागरूकता रथ मुख्यमंत्री ने कहा कि ये रथ केवल वाहन नहीं,बल्कि जनजागरूकता के सशक्त माध्यम हैं।

कोरिया को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में सशक्त प्रतिनिधित्व,तीन नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी

-संवाददाता-
कोरिया,21 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करते हुए कोरिया जिले को महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व दिया है। प्रदेश कार्यसमिति में जिले के तीन प्रमुख नेताओं विधायक भैयालाल राजवाड़े, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल और जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा को अहम जिम्मेदारियाँ सौंपे जाने से जिले में राजनीतिक उत्साह का माहौल बन गया है, पार्टी कार्यकर्ताओं में इसे संगठन की मजबूती और क्षेत्रीय संतुलन की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

कार्यकर्ताओं में उत्साह, संगठन को मिलेगी नई ऊर्जा

इन तीनों नेताओं की नियुक्ति से कोरिया जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह और गर्व का माहौल है,कार्यकर्ताओं का मानना है कि इससे जिले की आवाज अब प्रदेश स्तर पर और मजबूती से उठेगी तथा संगठन को नई दिशा मिलेगी।

प्रदेश कार्यसमिति में कोरिया जिले को मिला यह प्रतिनिधित्व न केवल संगठनात्मक मजबूती का संकेत है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि पार्टी स्थानीय नेतृत्व को महत्व देते हुए उसे प्रदेश स्तर तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है, आने वाले समय में इन नियुक्तियों का असर जिले की राजनीति और संगठन दोनों में देखने को मिल सकता है।

कृष्ण बिहारी जायसवाल बने प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है,वे लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आए हैं और कोरिया जिले में भाजपा संगठन को मजबूत करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है,उनकी नियुक्ति को संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और कार्यशैली का सम्मान माना जा रहा है। इससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

भैयालाल राजवाड़े को स्थायी आमंत्रित सदस्य का दायित्व

बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े को प्रदेश कार्यसमिति का स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है,वे भाजपा के वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं तथा पूर्व में छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं,उनकी राजनीतिक समझ और प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए यह जिम्मेदारी संगठन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मोहित पैकरा बने पदेन सदस्य,युवाओं को मिला प्रतिनिधित्व

जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा को प्रदेश कार्यसमिति में पदेन सदस्य के रूप में शामिल किया गया है,वे जिले के एक युवा और सक्रिय नेता के रूप में पहचाने जाते हैं,उनकी नियुक्ति को भाजपा द्वारा युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है,जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलने की उम्मीद है।

जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने दी बधाई...

भाजपा कोरिया जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने तीनों नेताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह जिले के लिए गौरव का क्षण है, उन्होंने विश्वास जताया कि इन नियुक्तियों से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और पार्टी की नीतियों को जमीनी स्तर पर और प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

सोनहत के पंडो युवक तमिलनाडु में बंधक

मजदूरी के नाम पर ठगी,अब परिजनों ने लगाई मदद की गुहार

पण्डो जनजाति कल्याण समिति के प्रांतीय सह सचिव ने एस पी कोरिया को आवेदन दे कर लगाई गुहार

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,21 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के सोनहत क्षेत्र से रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है, यहाँ के विशेष संरक्षित पंडो जनजाति के युवकों को बेहतर रोजगार का झांसा देकर तमिलनाडु ले जाया गया,जहाँ अब उन्हें बंधक बनाकर प्रताड़ित करने का मामला प्रकाश में आया है।

मजदूरी के बहाने छल,अब लौटने पर पाबंदी

प्राप्त जानकारी के अनुसार,ग्राम कछाड़ी निवासी राम लल्लू ने क्षेत्र के पांच सरल-सहज युवकों को रोजगार दिलाने का झांसा दिया। वह उन्हें अंबिकापुर और रायपुर के रास्ते तमिलनाडु के सेलम शहर ले गया। बंधक बनाए गए युवकों में विष्णु पण्डो (पिता मोती लाल पण्डो),सुरेंद्र कुमार पण्डो (पिता सुन्दर साय पण्डो), राजेन्द्र पण्डो (पिता सुन्दर साय पण्डो),राकेश कुमार पण्डो (पिता दशरथ पण्डो) और दिनेश कुमार पण्डो (पिता राना पण्डो) शामिल हैं,पीड़ितों में से एक ने किसी तरह मोबाइल नंबर 9238174864 के जरिए परिजनों से संपर्क कर अपनी आपबीती सुनाई। युवक ने बताया कि उन्हें वहां बंधक बनाकर जबरन कार्य कराया जा रहा है,न तो उन्हें तय मजदूरी दी जा रही है और न ही वापस घर आने दिया जा रहा है,यहाँ तक कि ठेकेदारों ने उनके मोबाइल फोन भी छीन लिए हैं ताकि वे बाहरी दुनिया से संपर्क न कर सकें।

मुख्य बिंदु

- पीड़ित : सोनहत क्षेत्र के संरक्षित पंडो जनजाति के युवक
- स्थानः सेलम,तमिलनाडु (बंधक बनाए जाने का स्थान)
- आरोप : बंधक बनाकर काम कराना,मजदूरी न देना और संचार के साधन छीनना
- मांग : युवकों की तत्काल रेस्क्यू कर सुरक्षित घर वापसी

पंडो समाज ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

इस घटना के सामने आने के बाद पंडो समाज में भारी आक्रोश है,पंडो समाज के प्रांतीय सह-सचिव पवन साय पंडो ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरिया को लिखित आवेदन सौंपकर युवकों की सुरक्षित वापसी की गुहार लगाई है, उन्होंने आरोपी राम लल्लू और वहां के संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

CMYK

मैं और डेनियल नहीं चाहते बच्चे,नैनी भरोसे पलें वो खिलौने नहीं,हमारा साथ याद रखेंगे : सनी लियोनी

इंडस्ट्री में तकरीबन डेढ़ दशक का समय बिता चुकी सनी लियोनी ने आखिरकार बॉलिवुड और इंडिया में अपनी जमीन पुख्ता कर ही ली। आज उनका अतीत कहीं पीछे छूट चुका है। एक अभिनेत्री,बिजनेसवुमन और मां के रूप में वे मजबूत और खुश हैं। एक लेखिका और एक्टिविस्ट के रूप में खुद को संवारने वाली सनी इन दिनों चर्चा में हैं अनुराग कश्यप निर्देशित फिल्म 'कैनेडी' से। पिछले दो सालों में 'कान' और 'मामी' जैसे अनेकों फिल्मोत्सवों में इनाम-इकराम बटोरने के बाद अब ये फिल्म ओटीटी पर आने वाली है। सनी से एक खास मुलाकात। एक अभिनेत्री,काम और तीन बच्चों की मां जैसी तिहरी जिम्मेदारियों के बीच संतुलन साधने को लेकर वे कहती हैं, 'मुझे लगता है, बैलेंस करने के अलावा और कोई चारा भी तो नहीं है। बिजनेस है तो आपको उसे भी संभालना है। बच्चे हैं, तो उनकी , को भी देखना है। अभिनय भी करना होता है, तो आपके पास और कोई ऑप्शन नहीं होता, जब कोई और रास्ता ही नहीं होता, तब आप जुट जाते हैं। अपना काम ढंग से करो, चुनौतियों का सामना करो,यही ड्राइविंग फोर्स होता है। मुझे अपनी जिम्मेदारियां अच्छी लगती हैं। मैं हमेशा नई चीजों को लेकर उत्साहित रहती हूं और वही मेरी एनर्जी का स्रोत होता है।'

जब दिल से चाहो,तभी मां बनो

सनी लियोन निशा, एशर और नोहा जैसी तीन बच्चों की मां हैं, जो क्रमशः 9 और 8 साल के हैं। उन्होंने 2017 में निशा नामक बच्ची को गोद लिया था और 2018 में वे नोहा और एशर जैसे जुड़वा बेटों को सेरोगेसी के जरिए दुनिया में लाईं। मदरहुड के बारे में वे कहती हैं,'अगर आपको बच्चे चाहिए, तो दिल से चाहें। किसी सोशल प्रेशर या फिर मम्मी-पापा के कहने पर बच्चे पैदा न करें। आप जब किसी दबाव में आकर बच्चे पैदा करते हैं और जब आप उनके लिए मानसिक तौर पर तैयार होते हैं,दोनों में बहुत फर्क होता है। मेरे और डेनियल (उनके पति) के लिए तो ये थ्री अगेंस्ट टू रहा है (हंसती हैं) हमें बच्चे चाहिए थे।

दो हजार लोग तालियां बजा रहे थे, मैं रो रही थी

कान फिल्म फेस्टिवल में मिले फिल्म के अभूतपूर्व रिस्पॉन्स के बारे में वे कहती हैं, 'फिल्म को सात मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन! मैं क्या बोलूं? उस जगह की एनर्जी कमाल की थी। उस अनुभव को बयान करने के लिए मेरे पास लफ्ज नहीं हैं। आप जब इस तरह के अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में जाते हैं और लोगों का ऐसा रिएक्शन मिलता है,तो बहुत ही गर्व होता है। बुरा मत मानिएगा, आज के दौर में फिल्म के रिव्यूज को लेकर लोग कई बार अच्छा-बुरा कहते हैं कि फिल्म अच्छी नहीं थी,पकाऊ थी,आदि-आदि। वहां पर आम तौर पर फिल्म मेकिंग की सराहना के बजाय आलोचना होती है। मगर जब आप फिल्मोत्सव में जाते हैं, तो अहसास होता है कि लोग अच्छी फिल्म और सशक्त स्टोरी टेलिंग पर अपना यकीन दिखाते हैं।

मुझसे सामने से अभी अच्छे से मिलते हैं...

अपने एक इंटरव्यू में सनी ने हमें बताया था कि उनके अतीत (अडल्ट स्टार) के कारण बड़े स्टार्स की बीवियां उनसे डरती हैं, तो क्या आज वो हालात बदल गए हैं? आज वे एक अभिनेत्री के रूप में स्थापित हो गई हैं? इस पर वे कहती हैं, 'वो बात मैंने अपने बहुत ही पुराने इंटरव्यूज में कही थी। अब अभिनेत्री के रूप में कितनी स्थापित हुई हूं, ये तो फिल्म के आने के बाद ही पता चलेगा,मगर इतना जरूर कहूंगी कि मैंने अतीत में जो भी कहा हो,साल दर साल और प्रॉजेक्ट दर प्रॉजेक्ट लोगों के नजरिए में फर्क आया है। आप जैसे-जैसे सीनियर और अनुभवी होते जाते हैं,लोगों की सोच बदलती जाती है। देखिए,मेरे लिए सभी अच्छे रहे। मुझे ऐसा कभी कोई नहीं मिला, तो मेरे प्रति रूड रहा हो। आप जब किसी कलाकार या उनके परिवार को मिलते हैं, तो सभी अच्छे से ही मिलते हैं। लेकिन उसके बाद जो होता है,उसका मुझे पता नहीं। मेरे सामने तो सभी अच्छे रहे हैं।'

15 साल में कितनी बदलीं

एक अभिनेत्री के रूप में पिछले 15 सालों में कितनी इवॉल्व हुई हैं? इस पर वे कहती हैं, 'अभिनय के सफर में आप कहीं न कहीं से कुछ न कुछ जरूर सीखते हैं। कभी कोई छोटी-सी चीज या फिर कोई बड़ा सबक। फिल्म मेकिंग एक ऐसा क्षेत्र है,जो आपको प्रोडक्शन,राइटिंग या खुद के बारे में कुछ न कुछ जरूर सिखाता है। आपको लगातार सीखते रहना होता है,वरना आप किसी एक जगह पर थम जाते हैं। फिर उसमें कोई मजा नहीं रह जाता।'

अनुराग सर से बहुत कुछ सीखा

बॉलीवुड में जिस्म 2 से अपने करियर का आगाज करने वाली सनी लियोन को अपनी पहली फिल्म में महेश भट्ट जैसे निर्देशक का साथ मिला था और आज वे अनुराग कश्यप की कैनेडी से चर्चा में हैं। उनसे जब पूछा जाता है कि महेश भट्ट से अनुराग कश्यप तक के इस सफर को लेकर वे कहती हैं, 'मैंने तब कभी सोचा नहीं था कि मैं करियर का कोई चक्र पूरा करने जा रही हूं। मुझे मौका मिला और मैंने किया। मगर आज मैं खुश हूं, जिस तरह से मेरे करियर ने शेप लिया। मैं बहुत ही गर्व महसूस करती हूं कि अनुराग कश्यप ने मुझे चार्ली की भूमिका के लिए चुना। उनके साथ काम करते हुए मेरी एक ही कोशिश थी कि मैं उन्हें अपना बेस्ट दूं। जब लोग फिल्म देखें, तो वे मेरे किरदार पर यकीन करें और चार्ली को पसंद करें। मैंने अनुराग सर की बातों, उनकी कहानियों और सफर से बहुत कुछ सीखा।'

खेल समाचार

टीम इंडिया जून में आयरलैंड दौरे पर जाएगी

दो मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी,8 साल में चौथा दौरा होगा

नई दिल्ली,21 मार्च 2026। भारत की फूल स्ट्रेंथ टीम जून 2026 में आयरलैंड दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी। बीसीसीआई ने इस दौरे का शेड्यूल शनिवार को घोषित कर दिया गया है। यह सीरीज वर्ल्ड कप जीत के बाद भारत की पहली टी-20 सीरीज होगी। भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

8 साल में चौथा दौरा

भारत ने पिछले आठ सालों में (2018, 2022 और 2023) तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है। आयरलैंड के लिए यह दौरा व्यस्त 2026 कार्यक्रम का हिस्सा है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मुकाबला और अफगानिस्तान के खिलाफ पांच वनडे मुकाबले भी खेलने हैं।

भारत को नहीं हरा सकी आयरलैंड
भारत और आयरलैंड के बीच अब तक 3 टी-20 सीरीज खेले गए हैं। साल 2018 और 2022 में खेले गए दोनों ही दौरे पर भारत ने 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। वहीं 2023 की तीन मैचों की सीरीज में भी भारतीय टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की, जबकि एक मुकाबला नहीं हो सका। ये तीनों सीरीज आयरलैंड में ही खेली गई।

अफगानिस्तान के खिलाफ भी खेलेगी : टीम आईपीएल के बाद भारतीय टीम जून में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलेगी। इसकी शुरुआत 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। पहला वनडे 14 जून को धर्मशाला में, दूसरा 17 जून को लखनऊ और तीसरा 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

भारत इस साल इंग्लैंड का दौरा करेगा। दोनों टीमों के बीच आठ वाइट बॉल मैच खेले जाएंगे। भारत जुलाई में पांच टी-20 और तीन वनडे मैच खेलने के लिए इंग्लैंड दौरा करेगा।

पीसीबी की दखल अंदाजी ने कोच पद से इस्तीफे के लिए किया मजबूर : गैरी कर्स्टन

नई दिल्ली,21 मार्च 2026। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने लगातार बदलते कप्तानों और कोचों की वजह से चर्चा में रहती है। गैरी कर्स्टन को भी पीसीबी ने बड़े शोर गुल के साथ पाकिस्तान टीम का हेड कोच बनाया था, लेकिन उनका कार्यकाल भी निश्चित समय तक नहीं चल सका। कर्स्टन ने इसकी वजह बताई है। पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 2011 में वनडे विश्व कप चैंपियन बनाने में बतौर कोच अहम रोल निभाने वाले दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी गैरी कर्स्टन को टी 20 विश्व कप 2024 से पहले दो साल के अनुबंध पर व्हाइट बॉल क्रिकेट का हेड कोच बनाया था। कर्स्टन ने

मुश्किल से 6 माह के बाद अपना पद छोड़ दिया था। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अब पाकिस्तान टीम के हेड कोच का पद छोड़ने का कारण बताया है। गैरी कर्स्टन ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दखलअंदाजी की वजह से उन्होंने टीम के हेड कोच का पद छोड़ दिया था। कर्स्टन ने कहा है कि टीम के मामलों में बाहरी दबाव का स्तर इतना ऊंचा था कि खिलाड़ियों के साथ एक स्थिर माहौल बनाना बेहद मुश्किल हो गया। दखलअंदाजी का स्तर बहुत ज्यादा था जिसने मुझे परेशान किया। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसे पहले कभी उस स्तर पर ऐसा देखा है। उन्होंने कहा कि जब नतीजे टीम के हिसाब से नहीं होते, तो कोच अक्सर आसान निशाने पर होता है। ऐसी परिस्थितियों में टीम के प्रदर्शन के लिए कोच को ही जिम्मेदार ठहराना आसान हो जाता है। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने पीसीबी पर अनुबंध से जुड़ी अनियमितताओं,बकाया राशि और बार-बार अनुबंध तोड़ने का आरोप भी लगाया और इन कारणों को भी अपने इस्तीफे की वजह बताई।

कमेंट्री से हटने में बीसीसीआई या जय शाह की कोई भूमिका नहीं : लक्ष्मण शिवरामकृष्णन

नई दिल्ली,21 मार्च 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने आईपीएल 2026 से पहले कमेंट्री से हटने के अपने फैसले को लेकर कहा है कि इसमें बीसीसीआई और जय शाह का कोई रोल नहीं है। लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने एक्स पर लिखा, 'बीसीसीआई प्रशासन को इसमें मत लाओ। यह बीसीसीआई के एक कर्मचारी के साथ वन-ऑन-वन मामला है। जय शाह एंड कंपनी का इससे कोई लेना-देना नहीं है।' शिवरामकृष्णन ने 20 मार्च को बीसीसीआई के साथ कमेंटेटर के तौर पर अपनी लंबी भूमिका खत्म करने का ऐलान किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि दो दशकों से ज्यादा समय तक जुड़े रहने के बावजूद उन्हें कई अहम ऑन-एयर मौकों से दूर रखा गया। टॉस प्रेजेंटेशन और मैच के बाद के शो से लगातार नजरअंदाज किया गया।' शिवरामकृष्णन ने सवालिया लहजे में पूछा कि अगर 23 साल में मुझे टॉस और प्रेजेंटेशन के लिए इस्तेमाल नहीं किया गया, तो इसके पीछे क्या वजह हो सकती है? पूर्व लेग स्पिनर ने भेदभाव के संकेत भी दिए हैं। एक यूजर के रंगभेद वाले कमेंट पर उन्होंने सहमति जताते हुए लिखा, 'आप सही हैं, रंग भेदभाव। शिवरामकृष्णन पिछले 2 दशक से कमेंट्री पैनल का बड़ा और भरोसेमंद चेहरा रहे हैं। अन्य दिग्गज कमेंटेटर भी उनके विश्लेषण को ध्यानपूर्वक सुनते हैं। इस वजह से कमेंट्री पैनल से उनका अचानक इस्तीफा देने का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। लोग इससे जुड़ी वजह जानना चाहते हैं। हालांकि बढ़ती आलोचनाओं के बीच शिवरामकृष्णन ने दोहराया कि उनका फैसला निजी है और वह अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर खुद नियंत्रण रखना चाहते हैं। लक्ष्मण शिवरामकृष्णन 1985 से 1987 के बीच भारत के लिए 9 टेस्ट और 16 वनडे खेले थे।

वैभव को मीडिया से दूर रहते हुए खेल पर ही ध्यान देना चाहिये : रियान

जयपुर,21 मार्च 2026। राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पराग ने कहा है कि टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल सत्र में मीडिया से दूरी बनाये रखते हुए अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिये। रायल्य की टीम 30 मार्च को अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले से करेगी। आईपीएल में पिछले सत्र में वैभव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और रियान को उम्मीद है कि वह इस बार भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे। पराग के अनुसार वैभव पर सभी की नजरें रहेंगी। ऐसे में उन्हें दबाव से बचना होगा। उन्होंने कहा, 'इस साल स्वाभाविक रूप से इस उभरते खिलाड़ी पर दबाव रहेगा पर मेरा मानना है कि उसे किसी भी बात पर ध्यान दिये बिना निडर होकर खेलना चाहिये। उसे किसी बात की चिंता नहीं करते हुए अपना स्वाभाविक खेल खेलना है। कप्तान के तौर पर मैं उसे कहूंगा कि वह मीडिया से दूर रहकर खेल पर ही ध्यान दें। उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाया था। इसके अलावा अंडर-19 विश्व कप में भी बेहतर प्रदर्शन किया था।

रामलला के दर्शन करने पहुंची लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम

मालिक संजीव गोयनका और कप्तान पंत भी रहे मौजूद...

अयोध्या,21 मार्च 2026। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की टीम शनिवार को अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन करने पहुंची। इस मौके पर टीम के मालिक संजीव गोयनका और कप्तान ऋषभ पंत भी मौजूद रहे। मंदिर परिसर में एलएसजी मालिक, खिलाड़ियों, और सहयोगी स्टाफ का भव्य स्वागत किया गया। मंदिर के कर्मचारियों ने पूजा-पाठ के बाद सभी को मंदिर परिसर में धुमाया और नवनिर्मित मंदिर के दर्शन कराए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी थी। एलएसजी के एक्स हैंडल पर भी संजीव गोयनका और ऋषभ पंत की मंदिर परिसर की तस्वीर साझा की गई है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) 2022 में लीग से जुड़ी थी। पिछले 4 सीजन में टीम एक बार भी फाइनल तक पहुंचने में कामयाब नहीं रही है। आईपीएल 2025 में टीम नए कप्तान ऋषभ पंत के साथ ही लगभग नई टीम और कोचिंग स्टाफ के साथ उतरी थी, लेकिन इसका असर प्रदर्शन पर नहीं दिखा। टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल नहीं रही थी और सातवें स्थान पर रही थी। कप्तान ऋषभ पंत बतौर बल्लेबाज और नेतृत्वकर्ता अपना प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। वहीं मेंटॉर जहीर खान भी अपना प्रभाव नहीं दिखा सके थे। आईपीएल 2026 में एलएसजी एक बार फिर से कोचिंग टीम और कई नए खिलाड़ियों के साथ उतर रही है। टीम की जर्सी और लोगों में भी बदलाव किया गया है। एलएसजी इस सीजन अपना दबदबा बनाने और अपना पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। एलएसजी को इस सीजन में कप्तान ऋषभ पंत, निकोलस पूरन, एडन मार्करम, मिशेल मार्श, मोहम्मद शमी, मयंक यादव, मोहसिन खान और दिग्वेश राठी जैसे खिलाड़ियों से बेहतर मैच विजयी प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मोहम्मद शमी इस सीजन एलएसजी के लिए पहली बार खेलेंगे। पिछले सीजन पर वह एसआरएच का हिस्सा थे। नीलामी से पहले उन्हें रिलीज कर दिया गया था। शमी के प्रदर्शन पर भी नजर रहेगी, क्योंकि वह लगातार राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए प्रयासरत हैं।

आईपीएल 2026 : वसीम जाफर ने चुनी आरसीबी की प्लेइंग इलेवन,विस्फोटक सलामी बल्लेबाज को किया बाहर

नई दिल्ली,21 मार्च 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल 2026 के लिए मजबूत प्लेइंग इलेवन घोषित की है। जाफर ने इस प्लेइंग इलेवन से उस खिलाड़ी को बाहर रखा है जिसने टीम को पहली बार चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। जाफर ने आईपीएल 2026 के लिए घोषित आरसीबी की अपनी प्लेइंग इलेवन में सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट को जगह नहीं दी है। उनकी जगह इंग्लैंड के ही उनके साथी खिलाड़ी जैकब बेथेल को जाफर ने विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी दी है। फिल साल्ट का टी 20 विश्व कप 2026 में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। वह 8 पारियों में 1 अर्धशतक की बदौलत महज 130 रन बना सके थे। इसके उलट जैकब बेथेल ने दमदार प्रदर्शन किया था और सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ शानदार शतक

लगाया था। जाफर का बेथेल को टीम में रखने और साल्ट को बाहर रखने का यह भी एक कारण हो सकता है। बता दें कि साल्ट ने आईपीएल 2025 में 13 पारियों में 33.58 की औसत और 175.98 की स्ट्राइक रेट से 4 अर्धशतक लगाते हुए 403 रन बनाए थे। एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में जाफर ने पारी की शुरुआत करने के लिए पूर्व कप्तान विराट कोहली और युवा बल्लेबाज बेथेल को चुना है। कप्तान रजत पाटीदार को तीसरे और ऑल-राउंडर वेंकटेश को चौथे नंबर पर रखा है। पांचवें नंबर पर टिम डेविड को रखा और छठे नंबर पर फिनिशर के रूप में जितेश शर्मा को चुना है, जो विकेटकीपर भी होंगे। टीम बतौर ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड और क्रुणाल पांड्या को उन्होंने जगह दी है। तेज गेंदबाजी में उन्होंने नुवान तुषारा, भुवनेश्वर कुमार और यश दयाल को चुना है, जबकि इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उन्होंने सुयश शर्मा को रखा है। आईपीएल 2026 के लिए वसीम जाफर ने चुनी

आरसीबी की प्लेइंग इलेवन : विराट कोहली, जैकब बेथेल,रजत पाटीदार (कप्तान), वेंकटेश अय्यर,टिम डेविड, जितेश शर्मा (विकेट कीपर),रोमारियो शेफर्ड,क्रुणाल पांड्या,भुवनेश्वर कुमार,नुवान तुषारा,यश दयाल।

इम्पैक्ट प्लेयर: सुयश शर्मा।

गेंदबाजी कोच भरत अरुण के आने से सुपरजायंट्स को लाभ होगा : ऋषभ

लखनऊ,21 मार्च 2026। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि नए गेंदबाजी कोच कोच भरत अरुण के आने से टीम को लाभ होगा। ऋषभ ने कहा, तेज गेंदबाजों के साथ अभ्यास शिविर अच्छा रहा है। जब से भरत अरुण टीम से जुड़े है सभी खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ा है, वह हर खिलाड़ी के प्रदर्शन पर नजरें रखते हुए अपने सुझाव देते हैं। उनके साथ हर मामले में हमारी बातें होती हैं। वह इसका ध्यान रखते हैं कि मैं गेंदबाजों से क्या चाहता हूं और उन्हें क्या लगता है कि वह टीम में क्या जोड़ सकते हैं। माहौल बहुत ही सकारात्मक है। वह सबसे बेहतरीन गेंदबाज कोच में से एक हैं और मुझे उन पर पूरा भरोसा है। अरुण का अनुभव और गेंदबाजों के साथ उनका तालमेल, खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए ये बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा...वह अपना अनुभव साथ लाते हैं। गेंदबाज उन पर भरोसा करते हैं और उनसे खुलकर बात करते हैं, एक गेंदबाज कोच से से सभी यही चाहते हैं। इससे टीम के सिस्टम को और मजबूती मिलती है। जब हम पिछले सत्र पर नजर रखते हैं,तो हमें लगा था कि हमें अपनी गेंदबाजी में कुछ और सुधार करने की जरूरत है।

रायगढ़ में 1 एकड़ में 2 करोड़ की अफीम जब्त

तरबूज-ककड़ी बताकर खेती,झारखंड से 10 साल पहले आया था,दोस्तों संग मिलकर कारोबार किया

रायगढ़,21 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में करीब एक एकड़ में अफीम के पौधे लगाए गए थे। जिसका पुलिस ने खुलासा किया है। आरोपी ने रायगढ़ में ही 10 साल पहले शादी की। किसान से तरबूज और ककड़ी उगाने के लिए खेत लिया।

इसके बाद ससुराल में रहकर दोस्तों के साथ मिलकर अफीम का कारोबार शुरू कर दिया। यह मामला तमनार थाना क्षेत्र के आमाघाट इलाके का है। पुलिस ने झारखंड के खूंटी जिले के रहने वाले मार्शल सांगा (40) को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने साथियों के साथ पाझर नाला के पास अफीम की खेती कर रहा था। वहीं, कांग्रेस का एक जनप्रतिनिधि मंडल

मौके पर पहुंचा और सरकार पर सवाल उठाए हैं। पूर्व मंत्री टीएस सिंहदेव ने इसे बेहद चिंताजनक बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। कांग्रेस ने इस पर बीजेपी का संरक्षण होना बताया है। इस पूरे मामले में 60,326 अफीम पौधे (2,877 किलो) और 3 किलो तैयार अफीम जब्त हुई है, जिसकी कुल कीमत करीब 2 करोड़ रुपये आंकी गई। मामले में दो आरोपी इमानवेल भेंगरा और सीप्रियन भेंगरा फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज : पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि,जिले में 'ऑपरेशन आघात' के तहत मादक पदार्थों की अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

झारखंड से आकर बस गया था आरोपी

जानकारी के मुताबिक, मार्शल सांगा की शादी तमनार के आमाघाट निवासी सुषमा खालको से हुई थी। इसके बाद वो पिछले 8-10 वर्षों से यहां आकर रहने लगा था। बताया जा रहा है कि आरोपी कभी झारखंड तो कभी आमाघाट में रहता था। इसी दौरान उसने अपने साथियों के साथ मिलकर अफीम की खेती शुरू कर दी।

पुलिस दबिश में एक आरोपी पकड़ा,साथी फरार

पुलिस ने आरोपी के घर और खेत में दबिश दी। इस दौरान मार्शल सांगा को गिरफ्तार कर लिया गया,जबकि उसके साथी फरार हो गए। पुलिस ने रातभर इलाके में पहरा दिया। जांच में पता चला कि जिस जमीन पर अफीम की खेती की जा रही थी,वह पांच अलग-अलग खसरा नंबरों की निजी और परियोजना भूमि है।

बिना संरक्षण मिले नहीं कर सकता खेती

जनपद सदस्य संपति सिंह सिदार ने बताया कि, बिना किसी के जानकारी, बिना किसी के अनुमति यहां कोई कैसे खेती करेगा। जरूर वो किसी के संरक्षण में खेती कर रहा था। बाहर से आकर कोई खेती नहीं कर सकता। ये बीजेपी के संरक्षण में ही होगा।

निष्पक्ष जांच होनी चाहिए : सिंहदेव

इस मामले की जानकारी मिलने के बाद कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल भी मौके पर पहुंचा और सरकार पर सवाल उठाए। पूर्व मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दुर्ग और बलरामपुर के बाद रायगढ़ में भी अफीम की खेती का खुलासा बेहद चिंताजनक है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

भाई ने डांटा,10 साल की बच्ची ने लगाई फांसी

दरवाजा खोलने में देरी पर आया गुस्सा,लड़ाई के बाद फंदे पर झूली

दुर्ग-भिलाई,21 मार्च 2026। दुर्ग जिले में भाई की डांट से नाराज एक 10 साल की बच्ची ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। 19 मार्च की शाम गुरप्रीत कौर घर पर अकेली थी। मोबाइल में स्पीकर ऑन कर पापा से बात कर रही थी। तभी बड़े भाई ने दरवाजा खटखटाया लेकिन गुरप्रीत फोन पर थी इसलिए सुन नहीं पाई। देरी से दरवाजा खोला तो भाई ने डांट दिया। इससे नाराज बहन घर की गैलरी में चुन्नी का फंदा बनाकर लटक गई। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है। घटना गुरुवार 19 मार्च शाम की है। गणेश नगर वार्ड-5 में रहने वाली गुरप्रीत कौर उर्फ खुशी कक्षा चौथी में पढ़ती थी। वह स्वामी आत्मानंद स्कूल जामुल की छात्रा थी। उसके पिता ड्राइवर हैं और मां ब्यूटी पार्लर में काम करती है। 2 बड़े भाई भी है, लेकिन घटना के समय घर में कोई बड़ा सदस्य मौजूद नहीं था। परिवार मूलतः ओडिशा का रहने वाला है। गुरप्रीत फोन पर अपने पापा से बात कर रही थी। तभी 17 साल का भाई घर लौटा और दरवाजा खटखटाने लगा। स्पीकर ऑन था इसलिए गुरप्रीत सुन नहीं पाई और देरी से दरवाजा खोला तो भाई ने डांट दिया। गुरप्रीत ने पापा को सब बता

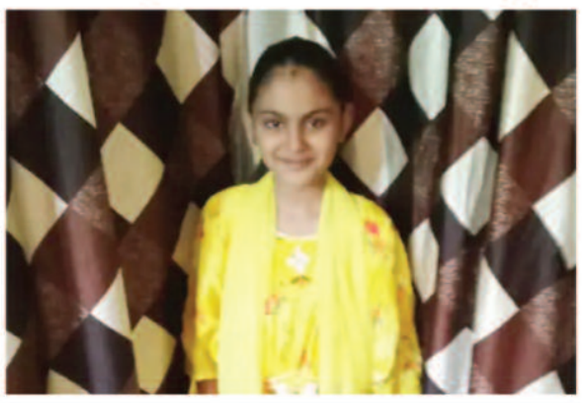

दिया। जिसके बाद पापा ने बड़े भाई को डांट लगाई। इससे गुस्से में आकर भाई ने फिर बहन को जमकर डांट लगाई और खाना लेकर टीवी देखने चला गया। थोड़ी देर बाद जब भाई ने पानी मांगा तो कोई आवाज नहीं आई। रुम से बाहर निकलकर देखा तो बहन चुन्नी के बनाए फंदे पक लटकी मिली।

टेबल लगाकर बनाया फंदा,फांसी पर झूली

पड़ोसियों ने बताया कि, घर में उस समय बच्ची अपने भाई के साथ थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका अपने भाई से विवाद हो गया। भाई ने उसे डांट दिया था। इस बात से बच्ची काफी नाराज और दुखी हो गई। इसके बाद उसने टेबल लगाकर चुनरी के सहारे पंखे से फांसी लगा ली।

डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

बताया जा रहा है कि, जब बच्ची के फंदे में फांसी लगाने की सूचना मिली तो परिजनों और पड़ोसियों ने बच्ची को फंदे से उतारा और उसे पास के अस्पताल ले गए। इसके बाद उसे भिलाई के बीएम शाह अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को बच्ची का अंतिम संस्कार किया गया है।

छत्तीसगढ़ में ईद की नमाज के साथ जश्न....

ईदगाह समेत मस्जिदों में हुआ विशेष नमाज,एक-दूसरे को गले लगाकर दी ईद की मुबारकबाद

बिलासपुर,21 मार्च 2026। बिलासपुर में शनिवार को ईद का त्यौहार मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सुबह ईदगाह सहित मस्जिदों में अकीदत के साथ नमाज अदा कर अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी। एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की शुभकामनाएं दी। वहीं, पर्व पर समुदाय के घरों में सेवइयों के साथ पकवान बनाकर दावत दी जा रही है। रमजान के 30 रोजे और चांद दिखने के बाद आज प्रदेशभर में ईद-उल-फितर मनाई जा रही है। रायपुर, दुर्ग,बिलासपुर,रायगढ़,सरगुजा समेत कई जिलों में सुबह बड़ी तादाद में नमाज़ियों ने नमाज अदा की। एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी। इस दिन जकात और फितरा देने की परंपरा भी निभाई जाती है। जिससे जरूरतमंद लोग भी त्योहार की खुशियों में शामिल हो सकें। ईद को भाईचारे,खुशी और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक माना जाता है। रायपुर में ईदगाह भाठा समेत तमाम मस्जिदों में कठिन रोजे के बाद ईद के दिन नमाज़ियों ने ईद की नमाज अदा की। देश-प्रदेश की खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी।

रायपुर शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्री कुमार मेनन,पंकज शर्मा और सुबोध हरितवाल समेत कई नेताओं ने उन्हें गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। रमजान उल मुबारक की 29 वें दिन गुरुवार को ईद का चांद नजर नहीं आया। जबकि, ज्यादातर लोगों को चांद दिखाई देने और शुक्रवार को ईद होने की उम्मीद थी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। देश भर में कहीं से भी ईद का चांद दिखाई देने की खबरें नहीं आईं। इसलिए एलान किया गया कि ईद का पर्व 21 मार्च को मनाया जाएगा।

अकीदत के साथ ईद की नमाज अदा की गई...

ईदगाह में सुब्हानिया अंजुमन कमेटी की ओर से दी गई ईद के नमाज की इमामत हज़रत अल्लामा व मौलाना मुफ्ती अब्दुल अज़ीम ने नमाज अदा कर किबला पढ़ाया। उनके साथ हज़रत मौलाना यूसुफ रजा बरकाती और हाफिज मोहम्मद फरीद अशरफी नायब इमाम की हैसियत से ईदगाह में मौजूद रहे। बता दें कि,ईद से हफ्ते भर पहले से ही शहर के बाजार गुलजार रहे। मुस्लिम अकीदतमंदों के घर में सेवइयों का लजीज पकवान त्योहार को और खुशनुमा बना रहा है।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों में दिखा उत्साह

ईद पर्व पर मुस्लिम समुदाय के बच्चों में ईद को लेकर खासा उत्साह दिखा। नए कपड़े पहनकर बच्चे भी बड़े-बुजुर्गों के साथ ईद की नमाज पढ़ते नजर आए। सभी लोगों ने सामूहिक रूप से देश में शांति,सुकून और भाईचारा कायम रहने की दुआएं मांगी।

छत्तीसगढ़ सीआरपीएफ कैंप अटैक केस....एनआईए ने 6 और आरोपियों के खिलाफ पेश की चार्जशीट, डमी-मॉडल तैयार कर पहले ट्रेनिंग ली

जगदलपुर,21 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के सीआरपीएफ कैंप पर हुए हमले के मामले में एनआईए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 और आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इनमें 3 फरार आरोपी भी शामिल हैं। इस नई चार्जशीट के साथ मामले में कुल आरोपियों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। यह मामला 16 जनवरी 2024 का है, जब बीजापुर जिले में धर्मावरम सीआरपीएफ कैंप पर माओवादी हमलावरों ने एक साथ कई ठिकानों को निशाना बनाया था। एनआईए के अनुसार, पहले माओवादियों ने कैंप की रेकी की। कैंप का एक मॉडल तैयार किया था। जिसके बाद प्रशिक्षण लिया और फिर वारदात की। हमलावरों के पास ऑटोमैटिक हथियार और देसी तरीके से बनाए गए बैरल ग्रेनेड लॉन्चर थे। इस हमले में एक दर्जन से ज्यादा

सीआरपीएफ जवान घायल हुए थे। हालांकि, जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद नक्सली भाग निकले थे। धर्मावरम कैंप के अलावा चिंतावागु और पामेड़ के कैंप भी निशाने पर थे। चार्जशीट में जिन आरोपियों को शामिल किया गया है, उनमें गिरफ्तार आरोपी अवलम भीमा, मड़काम नंदा और मड़काम देवा उर्फ रतन के नाम हैं। फरार आरोपियों में संगठन के स्पेशल जोनल कमेटी का एक सदस्य भी शामिल है। सभी आरोपियों पर UAPA,IPC आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया कि हमले का मकसद सुरक्षा बलों को निशाना बनाना और हथियार लूटना था। इसके लिए माओवादियों ने पहले टारगेट कैंप का डमी मॉडल तैयार कर प्रशिक्षण लिया था।

हमले से पहले कैंप की रेकी भी की गई थी। जांच के दौरान हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री के इस्तेमाल के सबूत मिले हैं। एनआईए ने इस मामले को 9 फरवरी 2024 को अपने हाथ में लिया था। शुरुआती जांच में 21 नामजद आरोपियों और 250 से 300 अज्ञात माओवादियों के शामिल होने की बात सामने आई थी। एजेंसी की जांच अभी भी जारी है।

बदहाल सड़कों पर हाईकोर्ट सख्त...कहा-'काम शुरू होना काफी नहीं,समय पर पूरा होना और निगरानी जरूरी'

बिलासपुर,21 मार्च 2026। प्रदेश की जर्जर सड़कों को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि केवल प्रोजेक्ट्स की घोषणा या काम शुरू कर देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे हों। कोर्ट ने इसके लिए निरंतर निगरानी की आवश्यकता जताई है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कोर्ट को बताया कि सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए सकारात्मक कदम उठाए गए हैं। कई परियोजनाओं पर काम या तो शुरू हो चुका है या प्रगति पर है। सरकार ने शपथ पत्र के माध्यम से बताया कि पेंड्रीडीह चौक से नेहरू चौक तक के लिए 4079 लाख का बजट आवंटित कर प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। सीपत-बलौदा रोड की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। श्रीकांत वर्मा चौक से सीएमडी चौक के काम को भी मंजूरी मिल चुकी है। मोपका-सेंदरी बाईपास के लिए

जल्द टेंडर जारी होगा। वहीं मंगला चौक से दीनदयाल उपाध्याय नगर तक चौड़ीकरण का कार्य जारी है। एनएचएआई ने कोर्ट को भरोसा दिलाया है कि कोरबा-कटघोरा क्षेत्र (एनएच-130) में जमीन विवाद के कारण रुका हुआ 2 किमी का काम अब सुलझ गया है। 20.13 करोड़ की लागत से नया टेंडर जारी कर जनवरी 2026 से काम शुरू कर दिया गया है। लक्ष्य है कि मानसून आने से पहले इस पैच का काम पूरा कर लिया जाए। इसके साथ ही कटघोरा-गोपालपुर (एनएच-149बी) मार्ग पर 22.48 करोड़ की लागत से मजबूतीकरण का कार्य भी तेजी से चल रहा है।

धर्मांतरण कानून दिखावा...बैज के तीखे आरोपों से विधानसभा गूंजा

रायपुर,21 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ विधानसभा में पारित धर्मांतरण कानून को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह कानून केवल दिखावे के लिए लाया गया है और इसका उद्देश्य वोटों का ध्रुवीकरण करना है। बैज

ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या इस कानून से यह गारंटी है कि अब धर्मांतरण पूरी तरह रुक जाएगा। इसके साथ ही बैज ने राज्य में सामने आ रहे अवैध अफीम खेती के मामलों को लेकर भी सरकार को घेरा। दुर्ग और बलरामपुर के बाद अब रायगढ़ के तमनार में अफीम की खेती के खुलासे पर उन्होंने भाजपा पर संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह चौथा मामला है, जो यह दर्शाता है कि ऐसे अवैध कार्य सरकार की शह पर चल रहे हैं। एलपीजी सिलेंडर की कमी को लेकर भी उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। बैज ने कहा कि पूरे प्रदेश में गैस की किल्लत से आम जनता परेशान है और लोगों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर दाम बढ़ाने और कालाबाजारी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। वहीं,पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी बैज ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में केंद्र सरकार दबाव बनाने के लिए फोर्स भेज रही है और अधिकारियों को हटाया जा रहा है,लेकिन कांग्रेस पूरी तरह तैयार है और सभी राज्यों में मजबूत स्थिति में है।

रायपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई...पंजाब से चल रहे हेरोइन तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़,4 मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रायपुर,21 मार्च 2026। कमिश्नरेट पुलिस ने नशे के विरुद्ध अपनी अनवरत मुहिम के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है। डीसीपी (पश्चिम) संदीप कुमार पटेल एवं डीसीपी (साइबर) स्मृतिक राजनाला के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा के पर्यवेक्षण तथा एसीपी आज़ाद चौक ईशू अग्रवाल (भा.पु.से.) के नेतृत्व में गठित थाना कबीरनगर, आमानाका व साइबर की संयुक्त टीम ने पंजाब प्रांत में जाकर अंतरराज्यीय हेरोइन तस्करी के विभिन्न सक्रिय सिंडिकेट्स का भंडाफोड़ किया। इस कार्यवाही में चार मुख्य आरोपियों को जो रायपुर के विभिन्न थानों के प्रकरणों में फरार चल रहे थे को हेरोइन,अवैध शस्त्र एवं जिंदा कारतूस समेत गिरफ्तार किया गया। कमिश्नरेट पुलिस द्वारा विगत कई माहों से हेरोइन चिट्टा आपूर्तिकर्ताओं के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है। विभिन्न मामलों की जाँच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि रायपुर में हेरोइन की आपूर्ति का मुख्य स्रोत पंजाब प्रांत है। सभी प्रमुख सप्लायर पंजाब से माल लाकर रायपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में वितरित करते थे। पुलिस ने केवल स्थानीय वितरकों तक सीमित न रहते हुए संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला का

गहन अन्वेषण किया। रायपुर में हेरोइन पकड़े जाने के प्रत्येक मामले में उसके स्रोत तक पहुँचने का व्यवस्थित प्रयास किया गया। अन्वेषण दल ने तकनीकी साक्ष्यों, दूरसंचार विश्लेषण एवं मानव स्रोतों के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखला की प्रत्येक कड़ी – स्थानीय वितरक से लेकर अंतरराज्यीय वाहक, और वाहक से लेकर पंजाब स्थित मूल सप्लायर तक – को चिन्हित किया और उन्हें उनके गृह प्रांत में जाकर गिरफ्तार किया। पूर्व में गिरफ़्तार किए गए रुपिंदर उर्फ पाब्लो गैंग के सदस्यों की जाँच के दौरान सामने आया कि कवलजीत सिंग पन्नू इस तस्करी श्रृंखला में एक 'टियर-1' अर्थात् सर्वोच्च स्तर का सप्लायर था। वह पाकिस्तान से सटे पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय तस्करी नेटवर्क से सीधे हेरोइन की खरीद करता था। इस प्रकार वह आपूर्ति श्रृंखला की सबसे ऊपरी कड़ी के रूप में कार्य करते हुए रुपिंदर जैसे वितरकों को हेरोइन उपलब्ध कराता था,जो आगे रायपुर जैसे दूरस्थ शहरों में माल पहुँचाते थे।

गलत लेबलिंग पर 77 पेटी पानी जब्त,सीमा ब्रेवरेज को नोटिस,मेलोडी आइसक्रीम का सैंपल भी लिया....

बिलासपुर,21 मार्च 2026। बिलासपुर में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने अशोक नगर स्थित सीमा ब्रेवरेज पर कार्रवाई की। टीम ने गलत लेबलिंग के आरोप में पानी की 77 पेटियां जब्त कीं और फर्म को नोटिस जारी किया।

पानी के बोतलों में एक्सपायरी डेट प्रिंट नहीं : इस कार्रवाई के दौरान मेलोडी आइसक्रीम का सैंपल भी जांच के लिए भेजा गया। सीमा ब्रेवरेज में पानी की बोतलों पर एक्सपायरी डेट प्रिंट नहीं थी और लेबलिंग गलत पाई गई, जिसके बाद फर्म से जवाब मांगा गया है। यह कार्रवाई नवरात्रि और गर्मी के मौसम को देखते हुए जनस्वास्थ्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सीपत स्थित गंगोत्री मिनरल वाटर प्लांट पर छापा मारकर हजारों बोतल और पाउच पानी जब्त किया था। आज की कार्रवाई अभिहित अधिकारी आर.आर. देवांगन के मार्गदर्शन में हुई। टीम में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी शामिल थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)